मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 299
मंगलवार, 19 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

नक्सलियों का सफाया नहीं, विकास हमारा लक्ष्य है: अमित शाह

नई दिल्ली, 18 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नेतानार गांव में 'जन जन सुविधा केंद्र' मॉडल का उद्घाटन किया, जिससे 2013 से कार्यरत एक सुरक्षा चौकी को आधिकारिक तौर पर आदिवासी समुदाय के लिए एक समर्पित कल्याण और सेवा केंद्र में परिवर्तित कर दिया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, शाह ने इस शुभारंभ को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और नागरिकों को आश्वासन दिया कि नव स्थापित सुविधा अगले छह महीनों के भीतर स्थानीय जीवन का एक जीवंत और सक्रिय केंद्र बन जाएगी। गृह मंत्री ने कहा कि आज वास्तव में एक ऐतिहासिक दिन है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मात्र छह महीनों के भीतर, यह केंद्र, जो वर्तमान में केवल एक सरकारी पहल प्रतीत होता है, स्थानीय आदिवासियों की उपस्थिति और हंसी से जीवंत हो उठेगा। जिस भूमि पर मैं आज खड़ा हूं, वह स्वयं भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए एक पवित्र तीर्थ स्थल है। यह शहीद वीर गुंडा धुर की जन्मभूमि और कार्यक्षेत्र है। आज, उनसे प्रेरणा लेते हुए, नेतानार शिविर, जो 2013 से एक सुरक्षा चौकी के रूप में कार्य कर रहा है, को आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए समर्पित एक सेवा केंद्र में परिवर्तित किया जा रहा है।

अमित शाह ने 'नियाद नेल्लानार' योजना के समग्र उद्देश्य पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प शहरी विकास, आवश्यक सुविधाओं और आरएसएस स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए एक सहयोगात्मक पुनर्वास कार्यक्रम पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य 3,000 आदिवासी युवाओं को साक्षर बनाना और उन्हें समाज में एकीकृत करना है। जब नक्सलवाद को समाप्त करने का प्रस्ताव पारित किया गया था, तब इसका उद्देश्य नक्सलियों का सफाया करना नहीं था, बल्कि इस क्षेत्र के गरीब आदिवासी लोगों के जीवन में बड़े शहरों में उपलब्ध सभी सुविधाओं को लाना था। मुझे यह जानकर खुशी है कि 'नियाद नेल्लानार' नामक योजना के माध्यम से हमारे मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और केदार कश्यप (छत्तीसगढ़ मंत्री) हर गांव में सस्ते अनाज की दुकानें खोल रहे हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि हर गांव में प्राथमिक विद्यालय खोले जा रहे हैं... हर गरीब व्यक्ति को उसके घर पर पीने का पानी उपलब्ध कराने का काम चल रहा है। आधार कार्ड और राशन कार्ड जारी किए जा रहे हैं। शाह ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार और भारत सरकार मिलकर 3000 युवाओं के पुनर्वास के लिए काम कर रही हैं।

इनमें से 2000 लोग पूरी तरह से निरक्षर हैं।ह्व रशिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से, आरएसएस के स्वयंसेवक उन्हें पढ़ना-लिखना सिखा रहे हैं। इस बात पर जोर देते हुए कि नक्सलवाद पर विजय के लिए क्षतिग्रस्त गांवों का पांच साल के भीतर समृद्ध आदिवासी समुदायों में पुनर्निर्माण करना आवश्यक है, अमित शाह ने एक संरचनात्मक बदलाव की ओर इशारा किया, जहां दुग्ध क्षेत्र और वन उत्पादों की संयुक्त शक्ति अभूतपूर्व स्थानीय रोजगार सृजित करेगी।

फ्री बस राइड, 7वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी

महिलाओं को 3000 रुपये, शुभेंदु कैबिनेट ने लिए कई बड़े फैसले

कोलकता, 18 मई। पश्चिम बंगाल की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने सोमवार को कई महत्वपूर्ण पहलों की शुरूआत की, जो 1 जून से लागू होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य द्वारा संचालित बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा शुरू करने जा रही है, साथ ही सामाजिक और वित्तीय सहायता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई नागरिक-केंद्रित योजनाएं भी शुरू कर रही है। 1 जून से राज्य की सभी सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की अनुमति होगी। मंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य सभी जिलों में महिलाओं की आवागमन क्षमता, सुरक्षा और आर्थिक भागीदारी में सुधार करना है।

सरकार ने अन्नपूर्णा भंडार योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत, पात्र लाभार्थियों को प्रति माह 3,000 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी।

संविधान संशोधन अधिनियम और न्यायाधिकरण प्रक्रियाओं के तहत आवेदन करने वाली महिलाओं को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा।

इसके साथ ही सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए कहा कि मदरसा विभाग और सूचना एवं सांस्कृतिक विभाग के तहत चल रही धर्म आधारित सहायता योजनाओं को बंद किया जाएगा। सरकार के मुताबिक, ऐसी योजनाएं अगले महीने से रोक दी जाएंगी।

आईडी ब्लास्ट से फिर दहला पाकिस्तान: बाजार धमाके में कबीलाई प्रमुख समेत 3 की मौत

पाकिस्तान, 18 मई। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के एक बाजार में सोमवार को हुए आईडी विस्फोट में एक कबीलाई प्रमुख सहित तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह विस्फोट खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले के वाना शहर में एक व्यस्त बाजार में हुआ। विस्फोट के बाद बचाव दल और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तथा घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। जिला पुलिस अधिकारी मोहम्मद ताहिर शाह वजीर के मुताबिक, विस्फोट गुलशन प्लाजा के पास उस समय हुआ जब अहमदजई कबीले के प्रमुख मलिक तारिक का वाहन बाजार क्षेत्र से गुजर रहा था।

उन्होंने बताया कि इस शक्तिशाली विस्फोट में तारिक समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। इस धमाके के कारण बाजार क्षेत्र में व्यापक दहशत फैल गई और दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद हो गए। स्थानीय निवासियों और समुदाय के नेताओं ने इस हमले की कड़ी निंदा की और सरकार से अपनी सुरक्षा नीतियों की समीक्षा करने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है।

एक अन्य घटना में, इसी प्रांत के बाजौर जिले में एक घर पर संदिग्ध ड्रोन हमले में एक ही परिवार के छह सदस्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घायलों को खार के जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना की भी जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल किसी भी समूह ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार का आरोप है कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान नवंबर 2022 में संघर्षविराम समझौता समाप्त होने के बाद से नागरिकों और सरकारी बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है।

शादी से लौट रहे परिवार पर टूटा कहर, पालघर में भीषण सड़क हादसे ने लीं 12 जानें

पालघर, 12 मई। मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर महाराष्ट्र के पालघर में एक कंटेनर ट्रक ने एक अन्य ट्रक को टक्कर मार दी, जिसमें एक शादी का जश्न मनाने वाले लोग सवार थे। इस घटना में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। कासा की स्थानीय पुलिस के अनुसार, एक छोटे ट्रक में शादी के 40 से अधिक मेहमान सवार थे। सुबह करीब 4 बजे, एक कंटेनर ट्रक की शादी के मेहमानों के ट्रक से भीषण टक्कर हो गई, जिससे दूसरा ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

दोनों वाहन पलट जाने से कई यात्री मलबे में फंस गए। घटना के बाद, स्थानीय निवासी, पुलिस और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे। लगभग 25 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और वर्तमान में कासा उप-जिला अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। दुर्घटना के कारण मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना (पंचनामा) शुरू कर दिया है और दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में तेज गति और लापरवाही को दुर्घटना का संभावित कारण बताया गया है।

पंजाब में वोटर लिस्ट से छेड़छाड़ नहीं होने देंगे, सीएम भगवंत मान ने बीजेपी को जमकर घेरा

पंजाब, 18 मई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 18 मई को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इस आरोप की आलोचना की कि उसने मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के माध्यम से मतदाता सूचियों में हेरफेर करने का प्रयास किया है। पटना में बोलते हुए, मान ने भाजपा से आग्रह किया कि वह दलबदल और संगठन के विस्तार के बजाय राष्ट्रीय शासन को प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि अन्य दलों से विधायकों को तोड़ने के बजाय, भाजपा को देश पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एसआईआर प्रक्रिया 15 जून से शुरू होगी। ये लोग फर्जी वोट बनाने के लिए असली वोटों में

हेरफेर करते हैं, और हम पंजाब में ऐसा नहीं होने देंगे।

ये टिप्पणियां एसआईआर के तीसरे चरण की प्रक्रिया से पहले पंजाब में बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच आई हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एसआईआर की घोषणा की है, जिसमें 36 करोड़ से अधिक मतदाता चरणबद्ध तरीके से मतदान करेंगे। पंजाब के लिए ECI के कार्यक्रम के अनुसार, तैयारी का चरण 15 जून से शुरू होगा, जिसके बाद 25 जून से 24 जुलाई तक बूथ स्तरीय अधिकारियों का दौरा होगा। अंतिम मतदाता सूची 1 अक्टूबर, 2026 को प्रकाशित की जाएगी। हाल ही में पंजाब में कई राजनीतिक दल-बदल की खबरें आई हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री के चचेरे भाई ज्ञान सिंह मान 11 मई को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए। राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल सहित अन्य कई सांसद भी आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं। इसके अलावा, मान ने केंद्र सरकार से अधिक पारदर्शिता की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय भंडार का विवरण सार्वजनिक करने का अनुरोध किया।

रूस का कड़ा फैसला: अब यूरोप को तेल-गैस डॉलर में नहीं, बल्कि रूबल और युआन में खरीदना होगा

रूस, 18 मई। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बड़ी घोषणा की है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा बाजारों में भारी हलचल मच गई है। इस घोषणा के अनुसार यूरोपीय देशों के साथ तेल और गैस के भविष्य के सभी सौदे अब अमेरिकी डॉलर के बजाय रूसी रूबल और चीनी युआन में किए जाएंगे।

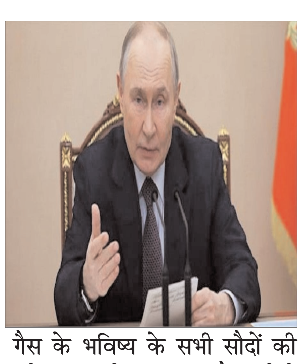

रूस के इस फैसले को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व के लिए एक सीधी चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। रूस ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि यूरोप के साथ तेल और गैस के भविष्य के सभी सौदों की कीमत रूसी रूबल और चीनी युआन में तय की जाएगी। इस रणनीतिक बदलाव को 'सिनो-रूसी ऊर्जा मुद्रा धुरी' के रूप में देखा जा रहा है, जो रूस और चीन के बीच मजबूत होते आर्थिक और रणनीतिक संबंधों का प्रतीक है।

इस घोषणा से यूरोपीय देशों के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं, क्योंकि रूस से ऊर्जा की आपूर्ति जारी रखने के लिए अब उन्हें अपनी भुगतान प्रणाली में एक बड़ा बदलाव करना होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस ने यह कदम पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के जवाब में और अपनी मुद्रा को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया है।

घबराने की जरूरत नहीं, देश में तेल का स्टॉक भरपूर, पेट्रोल-डीजल और एलपीजी पर सरकार का आया बयान

नई दिल्ली, 18 मई। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चार साल बाद हुई हालिया बढ़ोत्तरी के बाद मचे हड़कंप के बीच केंद्र सरकार ने देशवासियों को बड़ी राहत दी है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने सोमवार को स्पष्ट किया कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और नागरिकों को पैनिक बायिंग (घबराहट में खरीदारी) करने की कोई

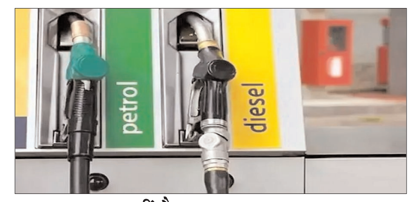

आवश्यकता नहीं है।

पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से जारी बयान में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने देश के तेल-गैस रिजर्व की जानकारी साझा की। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि पूरे देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और नेचुरल गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। मंत्रालय ने अपील की है कि उपभोक्ता किसी भी तरह की घबराहट में न आएं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

-ललित गर्ग

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में ह्लजी-2ह्व यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रूवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रूवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर ह्लचाइना प्लस वनह्व रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस ह्लवन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचरह्व की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है। आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रूवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।

दहेज के कारण आखिर कब तक जान गंवाती रहेंगी महिलाएं ?

अशोक भाटिया

नोएडा की 33 वर्षीय ट्विशा शर्मा, जो पूर्व मिस पुणे भी रह चुकी थीं, मात्र पांच महीने की शादी के बाद भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ससुराल में 12 मई 2026 की रात संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटकी मिलीं। शादी दिसंबर 2025 में डेटिंग ऐप पर मिले वकील समर्थ सिंह के साथ हुई थी। ट्विशा हाल ही में दो महीने की प्रेग्नेंट थीं, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में एक हफ्ते पहले मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (MTP) का खुलासा हुआ। मायके पक्ष का दावा है कि यह जबरन अबॉर्शन था, जिसमें सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह ने मानसिक यातना देकर ट्विशा को मजबूर किया। परिवार ने आरोप लगाया कि ट्विशा को पितृत्व पर संदेह कर उसके चरित्र पर सवाल उठाए गए, जिससे उस पर जबरदस्त मेंटल टॉर्चर हुआ। इसी मामले में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मल्टीपल एंटीमॉर्टम इंजरी (मौत से पहले की कई चोटें) मिलने से हत्या की आशंका और मजबूत हो गई है। मामला इसलिए भी गंभीर हो गया है क्योंकि पति समर्थ सिंह पेशे से वकील हैं और उनके माता-पिता रिटायर्ड जज रह चुके हैं। ट्विशा के परिवार ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या करार दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, जबरन गर्भपात, शरीर पर चोटों के निशान और मौत से पहले की व्हाट्सएप कॉल जैसे कई तथ्य अब इस मामले को और रहस्यमयी बना रहे हैं।

चूंकि आरोपी परिवार न्यायिक पृष्ठभूमि से जुड़ा है, इसलिए ट्विशा के परिजनों ने स्थानीय पुलिस जांच पर सवाल उठाए हैं। परिवार का आरोप है कि प्रभाव के चलते पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई नहीं कर रही। इसी वजह से परिवार ने मध्य प्रदेश से बाहर सीबीआई जांच की मांग की है। वहीं, सास को अग्रिम जमानत मिलने के बाद परिवार ने शव लेने से इनकार करते हुए दिल्ली एम्स में दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग उठाई है।

वैसे गिरिबाला सिंह के खिलाफ शुक्रवार को भोपाल पुलिस ने दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है। इसके बाद गिरिबाला सिंह ने भोपाल जिला अदालत में अग्रिम जमानत की अर्जी लगा दी। शुक्रवार देर शाम तक चली सुनवाई और परिजनों के विरोध के बावजूद जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत से गिरिबाला सिंह को अग्रिम जमानत मिल गई। सिंह को अग्रिम जमानत मिलने के बाद से परिजन और आक्रोशित हो गए और कहने लगे कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सभी चीजों का उल्लेख नहीं है, इसलिए लिए अग्रिम जमानत मिल गई है। सोमवार 18 मई को ट्विशा के पति और अधिवक्ता समर्थ सिंह की अग्रिम जमानत पर भोपाल जिला न्यायालय में सुनवाई होनी है। अग्रिम जमानत मिलने के बाद से ही परिजन अधिक आक्रोशित हैं। खैर अब यह न्यायिक प्रतिक्रिया में उलझा मामला चलता रहेगा व इसके रिजल्ट को हमें प्रतिक्षा ही करनी होगी

वैसे ट्विशा शर्मा की दहेज हत्या का सामने आया पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी केरल के कोल्लम ज़िले में बीते 21 मार्च को एक 27 साल की महिला थूशरा की मौत हो गई। मौत के वक्त उसका वजन महज बीस किलो रह गया था। दरअसल, थूशरा की शादी के वक्त दो लाख रुपए दहेज की मांग रखी गई थी जो उसके माता-पिता नहीं दे पाए। दहेज की मांग पूरी न होने के कारण उसका पति और सास उसका शोषण करते थे। उन्होंने स्वीकार भी किया कि थूशरा को खाने के लिए रोज पानी मिलाकर चावल और चीनी के अलावा कुछ और नहीं दिया जाता था। वहां के पोस्टमैन ने पुलिस को बताया कि इस घटना की जानकारी पड़ोसियों को न हो, इसके लिए थूशरा को टिन की घेराबंदी वाले घर के भीतर कैद कर के रखा गया था। यह घटना भारत के सर्वाधिक शिक्षित राज्य की है। यह घटना आज की है। यह घटना दहेज हत्या की श्रेणी में ही आएगी। यह दहेज हत्या जो उत्तर-आधुनिक समय में भी न जाने कितनी महिलाओं की मौत का कारण बनती है। गौरतलब है कि शादी-शुदा महिलाओं की हत्याएं, जिन्हें ससुराल में पति और अन्य सदस्यों ने दहेज के लिए या तो कत्ल कर दिया गया हो अथवा लगातार उत्पीड़न और यातना देकर आत्महत्या के लिए बाध्य किया जाए, दहेज हत्या कहलाती है। दहेज हत्या एक ऐसा अपराध है जहां महिलाओं के लिए उनके अपने घर ही सबसे असुरक्षित स्थान बन जाते हैं। दहेज और उससे जुड़े अपराधों के मामले में भारत दुनियाभर में पहले स्थान पर आता है। इसके बाद पाकिस्तान, बांग्लादेश और ईरान आते हैं, जहां दहेज हत्या एक बड़ी समस्या बन चुकी है।

दहेज हत्या मूल रूप से पितृसत्ता का ही एक रूप है जिसकी जड़ें प्राचीन इतिहास के कबीलाई परंपराओं में छिपी हैं। लिंग आधारित श्रम विभाजन के बाद कबीलों में एक संस्कृति विकसित हुई जिसके तहत महिलाओं का आदान-प्रदान होता था। कबीले के अस्तित्व के लिए महिलाएं चुप रहती थी जो बाद में संस्कृति के रूप में उनके शोषण का आधार बनी। इस प्रक्रिया में महिलाओं के साथ-साथ पशुओं, कीमती पत्थरों और जरूरी सामानों का भी आदान-प्रदान होता था जिससे बेहतर संबंध स्थापित हो। बाद में इस प्रक्रिया के तहत महिलाएं पुरुषों की संपत्ति मानी जाने लगी और उनका अपने पर कोई अधिकार नहीं रहा। आज के उत्तर-आधुनिक समाज में भी स्त्री दर्जे में पुरूष से कमतर मानी जाती है, इसलिए उसकी स्वीकारोक्ति के लिए शादी में धन की कई बार खुली और कभी मूक मांग रखी जाती है। इस मांग को यह कहकर जायज ठहराया जाता है कि लड़की के माता-पिता जो कुछ भी दे रहे हैं, उनकी बेटी के लिए ही है। यह एक तरह से सौदा होता है, जिसमें किसी लड़की को ब्याहने के लिए लड़का और उसके परिवार वाले मोटी रकम चाहते हैं। दहेज की मांग भारतीय समाज में सामान्य बात हो चुकी है। दहेज की प्रथा मानो शादी का एक अभिन्न अंग बन चुकी है। यह प्रथा सभी समूहों में मौजूद है चाहे वे किसी भी जाति, वर्ग, धर्म के हों। लड़की ब्याहने के लिए लड़के के परिवार की हैसियत के अनुसार दहेज देना पड़ता है। यह ब्याह होने की अनिवार्य शर्त भी है। रूढ़िवादी भारतीय समाज शादी की संस्था और पारिवारिक रिश्तों में सुधार करने की बजाय इसे पारंपरिक रूप में ही चलाना चाहता है। इस समाज के लिए यह महत्वपूर्ण है ही नहीं कि शादी से पहले लड़के और लड़की में सामंजस्य और आपसी समझ विकसित हो, जिससे बेहतर समाज बन सके। यहां रिश्ते की नींव ही लड़की के घर से मिलने वाला दहेज तय करता है।

हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत में दहेज के कारण रोज 21 महिलाओं की मौत होती है। शोध और अध्ययन से पता चलता है कि दहेज हत्या से संबंधित कुल घटनाएं, जो दर्ज होती हैं, उनमें से 93 फीसद मामलों में चार्जशीट दाखिल होती है और उनमें से केवल 1/3 मामले में आरोपी दोषी साबित हो पाते हैं। दहेज हत्या के संबंध में न्यूनतम दंड 7 साल की उम्रकैद है। दहेज हत्या के मामले में जज के पास यह अधिकार भी है कि वह अपने विवेक से आजीवन कारावास तक की सजा सुना सकता है। इतनी कठोरता के बाद भी दहेज के मामले कम नहीं हो रहे यह सोचनीय है। दहेज लेना एक रूढ़िवादी सांस्कृतिक परंपरा है जो पितृसत्ता को पोषित करती है। संस्कृति के रूप में इसे चलाए रखा जाता है और आगे आने वाली पीढ़ियों को हस्तांतरित किया जाता है,जिससे पितृसत्ता का वजूद बना रहे और पुरुष स्त्री को संपत्ति की तरह हासिल कर उसका स्वामी बन सके। दहेज प्रथा के कारण महिलाएं समाज में दोयम दर्जे की मानी जाती हैं। जन्म से ही उन्हें पराया धन कहकर परिवार के सभी संसाधनों से अलग-थलग कर दिया जाता है। उन्हें यह संदेश दिया जाता है कि परिवार की संपत्ति पर उनका कोई अधिकार नहीं है, उन्हें तो दूसरे के घर जाना है। दूसरे के घर जाने का तर्क हमारे घरों में लैंगिक असमानता की नींव भी रखता है। लड़कियों को दूसरे के घर जाना होता है इसलिए, उनसे पारंपरिक गुण यानी खाना पकाने से लेकर, सिलाई-बुनाई और घर चलाने के कौशल में पारंगत होने की उम्मीद की जाती है। इसीलिए, जहां भाई पढ़ता है, वहीं लड़की चौके में रोटियां बेलती है यानी पत्नी बनने की ट्रेनिंग बचपन से शुरू हो जाती है और उसका अस्तित्व खत्म हो जाता है।

दहेज प्रथा के कारण लिंग परीक्षण और भ्रूण हत्याओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। लड़कियों को जन्म से पहले मार दिया जाता है। यह समझा जाता है कि जन्म से पहले 500 रुपए खर्च करना 5 लाख खर्च करने से बेहतर है। साथ ही, लड़के को दहेज लाने वाले एसेट की तरह देखा जाता है। वहीं लड़की परिवार पर वित्तीय बोझ मानी जाती है। फीमेल इंफैंटीसाइड वर्ल्डवाइड: द केस फॉर एक्शन बाय द यू एन ह्यूमन राइट्स काउंसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में लड़कियों को अनअफॉर्डेबल इकोनॉमिक बर्डन के रूप में देखा जाता है जिसके कारण लगभग 117 मिलियन लड़कियों को गर्भ में ही मार दिया जाता है।

वैसे दहेज की मांग और उसके बाद ससुराल में महिला शोषण की रोकथाम के लिए सरकारों ने लगातार प्रयास किए गए हैं। कानून निमार्ताओं ने पति और उसके परिवार वालों से महिलाओं को बचाने के लिए समय-समय पर नियम व कानून पारित किए हैं। इसके बावजूद ससुराल में महिलाओं की संदेहास्पद मौतें होती हैं। 1961 का दहेज निषेध अधिनियम, विवाह के लिए दहेज, जिसे एक उपहार के रूप में परिभाषित किया जाता है या विवाह के लिए पूर्व शर्त माना जाता है की अनुरोध, भुगतान या स्वीकृति पर प्रतिबंध लगाता है। दहेज मांगने या देने पर छह महीने की कैद या 5,000 रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। दहेज के संबंध में हत्या और आत्महत्या के मामले क्रिमिनल पीनल कोड और इंडियन पीनल कोड के तहत देखे जाते हैं। अब देखते है ट्विशा शर्मा को कानूनी रूप से क्या इंसाफ मिलता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में सेल्फी का दुरुपयोग भी संभव

- महेन्द्र तिवारी

आधुनिक युग में विभिन्न सामाजिक मंचों पर अपने जीवन के विशेष क्षणों को साझा करना मानवीय व्यवहार का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। जब कोई व्यक्ति किसी मनोरम स्थान की यात्रा पर जाता है, मित्रों के साथ आनंदमय समय बिताता है, या प्रतिदिन अपनी नई तस्वीरें अपलोड करता है, तो उसका उद्देश्य अपनी खुशियों और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करना होता है। इन चित्रों के माध्यम से लोग अपनी भावनाएं, जीवनशैली और व्यक्तिगत उपलब्धियां समाज तक पहुंचाते हैं। परंतु, तकनीक की तीव्र गति ने अब इन चित्रों को केवल सुंदर स्मृतियों तक सीमित नहीं रखा है। आज यही तस्वीरें हमारी व्यक्तिगत पहचान और वित्तीय सुरक्षा के लिए एक अत्यंत गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निरंतर बढ़ते प्रभाव ने अंतरजाल आधारित अपराधों को एक सर्वथा नया और चिंताजनक मोड़ दे दिया है।

वर्तमान समय में सुरक्षा विशेषज्ञ यह चेतावनी दे रहे हैं कि हमारे दूरभाष या चित्र-यंत्र से ली गई एक सामान्य सी तस्वीर से भी किसी व्यक्ति की उंगलियों के निशान चोरी किए जा सकते हैं और भविष्य में उनका अवांछित दुरुपयोग पूरी तरह संभव है। वर्तमान समय में अत्याधुनिक साधन किसी भी धुंधली तस्वीर को अत्यधिक स्पष्ट और सघन बनाने में सक्षम हैं। तस्वीरों की बारीक रेखाओं को साफ करना, उनके विस्तार को बढ़ाना और उनमें छिपे अत्यंत सूक्ष्म स्वरूपों को पहचानना अब इन प्रणालियों के लिए बहुत सरल हो चुका है। यही कारण है कि मानवीय उंगलियों के पोरों पर पाई जाने वाली अद्वितीय और अत्यंत बारीक रेखाएं भी अब इलेक्ट्रॉनिक विश्लेषण के माध्यम से आसानी से निकाली जा सकती हैं। अंतरजाल सुरक्षा विशेषज्ञ ली चांग ने अपने हालिया प्रदर्शनों में यह प्रमाणित करके दिखाया है कि उच्च गुणवत्ता वाली साधारण तस्वीरों से भी पूरी तरह उपयोग में लाए जा सकने वाले उंगलियों के निशान प्राप्त किए जा सकते हैं।

इस सुरक्षा संकट से जुड़े वैज्ञानिक अध्ययनों और आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो यह स्थिति और भी भयावह प्रतीत होती है। सुरक्षा विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, यदि कोई तस्वीर लगभग 1.5 मीटर की दूरी से ली गई हो और उपकरण के चित्र-यंत्र की गुणवत्ता उत्तम स्तर की हो, तो उस चित्र से उंगलियों के निशान शत-प्रतिशत स्पष्टता के साथ प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यदि तस्वीर 1.5 से 3 मीटर की दूरी से भी ली गई हो, तब भी आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों की सहायता से उंगलियों के लगभग 50 प्रतिशत तक के रेखा-स्वरूप को सफलतापूर्वक निकाला जा सकता है। यद्यपि सामान्य जन के लिए यह एक साधारण सा आंकड़ा लग सकता है, परंतु अंतरजाल अपराध और पहचान की चोरी करने वाले अपराधियों के लिए इतनी आंशिक जानकारी भी अत्यंत विनाशकारी सिद्ध हो सकती है। आज के समय में प्रयुक्त होने वाले कई अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण उंगलियों के केवल आंशिक या आधे निशानों के मिलान से भी पहचान सत्यापित करने की क्षमता रखते हैं, जिससे अपराधियों का काम और अधिक सुगम हो जाता है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक संवेदनशील और खतरनाक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब लोग कैमरे के सम्मुख अपनी उंगलियों को सीधा करके विजय सूचक या शांति सूचक चिह्न बनाते हैं। युवाओं और बच्चों के बीच यह मुद्रा अत्यधिक लोकप्रिय है और सामाजिक माध्यमों पर ऐसी करोड़ों तस्वीरें उपलब्ध हैं। इस विशिष्ट मुद्रा में व्यक्ति की उंगलियों के पोर सीधे उपकरण के सामने केंद्रित होते हैं, जिसके कारण तस्वीर में उंगलियों की रेखाएं सबसे अधिक स्पष्ट और प्रकाशमान दिखाई देती हैं। जापान के वैज्ञानिकों और शोधकताओं ने कई वर्ष पूर्व ही इस विषय पर गहन शोध कर-के दुनिया को सचेत किया था कि इस प्रकार की मुद्राओं वाली तस्वीरों से उंगलियों के निशानों को बहुत सुगमता से पढ़ा जा सकता है। अब जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति कई गुना बढ़ चुकी है, तब इस तकनीकी खतरे की गंभीरता पहले की तुलना में कहीं अधिक व्यापक हो चुकी है।

उंगलियों के निशानों के लीक होने का यह संकट किसी भी सामान्य कूटशब्द की चोरी से अत्यधिक गंभीर माना जाता है। यदि किसी उपयोगकर्ता का कोई कूटशब्द या गोपनीय संख्या चोरी हो जाती है, तो वह तत्काल उसे बदलकर एक नया और सुदृढ़ कूटशब्द निर्मित कर सकता है। इसके विपरीत, मनुष्य की उंगलियों के निशान उसके संपूर्ण जीवनकाल में अपरिवर्तनीय रहते हैं। कोई भी व्यक्ति अपनी उंगलियों के प्राकृतिक निशानों को बदल नहीं सकता है। यही मुख्य कारण है कि इस प्रकार के जैव-पहचान संबंधी आंकड़ों का दुरुपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए दीर्घकालिक समस्या उत्पन्न कर सकता है। एक बार यदि किसी अपराधी समूह या अवांछित प्रणाली के पास किसी नागरिक की उंगलियों के निशानों का सटीक रेखा-स्वरूप पहुंच जाता है, तो वह अपराधी भविष्य में कई वर्षों तक उस व्यक्ति के नाम पर विभिन्न प्रकार के वित्तीय अपराध करने का प्रयास कर सकता है।

आज संपूर्ण विश्व में आधुनिक दूरभाष, संगणक, बैंकिंग सेवाएं, सरकारी प्रणालियां और उच्च सुरक्षा वाले संस्थान उंगलियों के निशानों पर आधारित पहचान प्रणाली पर पूरी तरह निर्भर हो चुके हैं। अधिकांश कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए इन जैव-पहचान उपकरणों का ही उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही हवाई अड्डों, सीमा सुरक्षा चौकियों और अन्य संवेदनशील राष्ट्रीय संस्थानों में भी पहचान की पुष्टि के लिए उंगलियों के निशानों का उपयोग निरंतर बढ़ रहा है। ऐसी संवेदनशील व्यवस्था में यदि किसी निर्दोष नागरिक की जैव-पहचान संबंधी गोपनीय जानकारी गलत हाथों में चली जाती है, तो उसके परिणामस्वरूप पहचान की चोरी, गंभीर बैंकिंग धोखाधड़ी, बैंक खातों से धन की अवैध निकासी और प्रतिबंधित क्षेत्रों में अनधिकृत प्रवेश जैसी अत्यंत विकट समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित इस तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नित नए शोधों से कुछ और चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह देखा गया है कि मशीन पर आधारित आधुनिक कलन विधियां अब ऐसे कृत्रिम अथवा नकली उंगलियों के निशान भी तैयार कर सकती हैं जो विभिन्न सुरक्षा उपकरणों को भ्रमित करने में सक्षम हैं। वैज्ञानिकों ने प्रयोगशालाओं में ऐसे कृत्रिम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित निशानों को विकसित करने में सफलता पाई है जिन्हें कुछ संवेदनशील सुरक्षा प्रणालियों ने वास्तविक मानकर स्वीकार कर लिया। यह उभरती हुई स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि आने वाले समय में अंतरजाल सुरक्षा की चुनौतियां मानवीय कल्पना से भी अधिक जटिल और बहुआयामी होने वाली हैं।

हालांकि, इस विषय के दूसरे पहलू को स्पष्ट करते हुए विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि सामाजिक माध्यमों पर डाली गई प्रत्येक तस्वीर से तत्काल कोई बैंक खाता अवरुद्ध नहीं हो जाता और न ही हर सामान्य चित्र इतना बड़ा संकट उत्पन्न करता है। किसी भी तस्वीर से उंगलियों के निशानों को सफलतापूर्वक निकालने के लिए अत्यधिक अनुकूल और सटीक परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। इसके लिए चित्र लेते समय प्रकाश की व्यवस्था अत्यंत उत्तम होनी चाहिए, उपकरण का केंद्रन पूरी तरह से उंगलियों पर होना चाहिए और तस्वीर की स्पष्टता बहुत उच्च स्तर की होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, वर्तमान समय के अधिकांश अत्याधुनिक उपकरण केवल उंगलियों के निशानों पर ही पूरी तरह आश्रित नहीं होते हैं। उनमें सुरक्षा की अतिरिक्त परतें जैसे गुप्त संख्या, चेहरे की पहचान और डेटा सुरक्षा प्रणालियां भी अंतर्निहित होती हैं। इसके बावजूद, तकनीक के इस निरंतर होते विकास के कारण इस खतरे को कदापि कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। इस नए युग के अंतरजाल खतरों से निपटने के लिए सामाजिक माध्यमों का उपयोग करने वाले नागरिकों के बीच व्यापक जागरूकता का होना सबसे महत्वपूर्ण उपाय है। आज के दौर में अंतरजाल और सामाजिक मंचों का उपयोग पूरी तरह से बंद कर देना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है, परंतु अपनी आदतों में थोड़ा सा सुधार करके इस खतरे को न्यूनतम अवश्य किया जा सकता है। तस्वीरें लेते समय उपकरण की ओर सीधे उंगलियां दिखाने वाली मुद्राओं से पूर्णतः बचना चाहिए। अत्यधिक निकटता से ली गई उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरों को सार्वजनिक मंचों पर साझा करने से परहेज करना चाहिए। यदि ऐसी तस्वीरें अपलोड करना आवश्यक ही हो, तो अपलोड करने से पूर्व उनकी गुणवत्ता को थोड़ा कम कर देना चाहिए ताकि यदि कोई उन्हें अत्यधिक बड़ा करके भी देखे, तो उंगलियों की रेखाएं स्पष्ट रूप से दिखाई न दें। इसके साथ ही, अपने व्यक्तिगत खातों की गोपनीयता सेटिंग्स को सदैव मजबूत रखना चाहिए ताकि अपरिचित व्यक्ति आपकी तस्वीरों तक न पहुँच सकें। इसके अतिरिक्त, केवल उंगलियों के निशानों पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था पर ही पूर्ण निर्भरता उचित नहीं है। सभी महत्वपूर्ण वित्तीय और व्यक्तिगत खातों में दोहरी प्रमाणीकरण प्रणाली का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। इसके अंतर्गत गुप्त संख्या, संदेश आधारित तत्काल सत्यापन और अन्य सुरक्षात्मक उपायों को आपस में जोड़ा जाना चाहिए। अंतरजाल अपराधी सदैव हमारी असावधानी और सुरक्षा तंत्र की कमजोरियों की ताक में रहते हैं, इसलिए इस आभासी संसार में निरंतर सतर्कता ही हमारी सबसे बड़ी रक्षा कवच है। अंततः, यह तकनीक का युग है जो मानव जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ नई चुनौतियां भी दे रहा है। आज एक साधारण सा स्व-चित्र केवल एक सुंदर दृश्य नहीं है, बल्कि वह हमारी अत्यंत निजी जानकारी का स्रोत भी बन सकता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के लाभों का सहर्ष उपयोग करें, किंतु उसके छिपे हुए खतरों के प्रति भी समान रूप से सजग रहें। थोड़ी सी सतर्कता हमें भविष्य के किसी बड़े नुकसान से बचा सकती है।

विज्ञापन हुई पढ़ाईः अंकों की चमक में दबता बचपन और शिक्षा का असली उद्देश्य

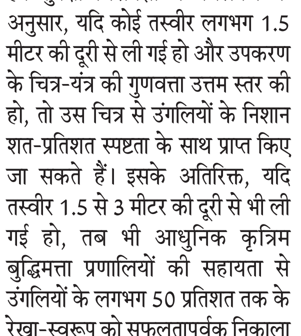

परीक्षा परिणाम आते ही आजकल विद्यालयों के बाहर एक अजीब सी होड़ दिखाई देने लगती है। कहीं बड़े-बड़े होर्डिंग लगे होते हैं, कहीं रंगीन पोस्टर, कहीं सोशल मीडिया पर लगातार तस्वीरों की भरमार। किसी छात्र के साथ 99%, किसी के साथ 98%, किसी के साथ 97% अंक लिखे होते हैं। विद्यालय इन तस्वीरों को ऐसे प्रस्तुत करते हैं मानो कोई व्यावसायिक उपलब्धि हासिल हुई हो। देखने वाले अभिभावकों को संदेश दिया जाता है कि यही वह संस्थान है जहाँ सफलता मिलती है। शिक्षा अब धीरे-धीरे ज्ञान का माध्यम कम और प्रचार का साधन अधिक बनती दिखाई दे रही है। यही कारण है कि आज यह प्रश्न गंभीरता से उठने लगा है कि क्या पढ़ाई अब शिक्षा कम और विज्ञापन अधिक बन गई है?

निस्संदेह, मेहनत करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान होना चाहिए। अच्छे परिणाम किसी भी छात्र, शिक्षक और अभिभावक के लिए गर्व का विषय होते हैं। लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब विद्यालय केवल कुछ चुनिंदा विद्यार्थियों को ही सफलता का चेहरा बनाकर प्रस्तुत करने लगते हैं। बाकी बच्चे, जिन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार मेहनत की, संघर्ष किया, परिस्थितियों से लड़ते हुए परीक्षा पास की, वे सब इस चमक-दमक में कहीं पीछे छूट जाते हैं। विद्यालय के पोस्टरों पर उनकी तस्वीरें नहीं होतीं, उनके प्रयासों की चर्चा नहीं होती। धीरे-धीरे उनके मन में यह भावना बैठने लगती है कि शायद वे पर्याप्त अच्छे नहीं हैं।

आज शिक्षा का वातावरण अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक हो चुका है। बच्चे अब ज्ञान प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि प्रतिशत हासिल करने के लिए पढ़ रहे हैं। माता-पिता की अपेक्षाएँ, समाज की तुलना और विद्यालयों की प्रचार नीति मिलकर बच्चों पर ऐसा दबाव बना देती हैं कि वे स्वयं को अंकों के तराजू में तौलने लगते हैं। यदि किसी बच्चे के 95% अंक आए हैं तो वह ह्लप्रतिभाशालीह्व कहलाता है, लेकिन 70% लाने वाला बच्चा स्वयं को साधारण या कमजोर मानने लगता है। यह सोच शिक्षा की आत्मा के विरुद्ध है।

हर बच्चा अलग होता है। किसी की रुचि विज्ञान में होती है, किसी की साहित्य में, कोई खेल में उत्कृष्ट होता है तो कोई कला, संगीत या तकनीकी कौशल में। लेकिन वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने सफलता की परिभाषा को केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित कर दिया है। विद्यालय भी उसी दिशा में चलते दिखाई देते हैं जहाँ उन्हें अधिक प्रचार और अधिक प्रवेश मिलने की संभावना हो। परिणामस्वरूप बच्चे विद्यार्थी कम और रिजल्ट प्रोडक्ट अधिक बनते जा रहे हैं। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इस प्रकार का प्रचार बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। जिन छात्रों के अंक अपेक्षाकृत कम आते हैं, वे स्वयं को दूसरों से कमतर समझने लगते हैं। कई बच्चे अवसाद, तनाव और हीनभावना का शिकार हो जाते हैं। कुछ बच्चे तो इतने दबाव में आ जाते हैं कि वे परिवार और समाज से कटने लगते हैं। आज देश में परीक्षा परिणामों के बाद आत्महत्या जैसी घटनाएँ भी सामने आती हैं। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि उस सामाजिक और शैक्षणिक दबाव का परिणाम है जो बच्चों पर लगातार डाला जा रहा है। विद्यालयों को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल टॉपर बनाने का माध्यम नहीं है। एक योग्य शिक्षक की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि उसके कितने छात्रों ने 95% अंक प्राप्त किए, बल्कि इससे होती है कि उसने कितने बच्चों के भीतर आत्मविश्वास जगाया। असली शिक्षा वह है जो बच्चे को जीवन के संघर्षों के लिए तैयार करे, उसे संवेदनशील बनाए, उसके भीतर नैतिकता और मानवता का विकास करे। यदि कोई बच्चा परीक्षा में औसत अंक लाता है लेकिन अच्छा इंसान बनता है, समाज के प्रति जिम्मेदार बनता है, तो वह भी शिक्षा की सफलता है। आज कई विद्यालय परीक्षा परिणामों को व्यवसायिक रणनीति की तरह इस्तेमाल करते हैं। सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट, अखबारों में विज्ञापन, शहर भर में बैनर—यह सब शिक्षा के व्यवसायीकरण का संकेत है। अभिभावक भी इन चमकदार परिणामों से प्रभावित होकर विद्यालय चुनते हैं। उन्हें लगता है कि जहाँ अधिक टॉपर हैं, वही विद्यालय श्रेष्ठ है। लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता केवल कुछ विद्यार्थियों के प्रतिशत से तय नहीं हो सकती। किसी विद्यालय की वास्तविक पहचान इस बात से होनी चाहिए कि वहाँ औसत और कमजोर छात्रों के साथ कैसा व्यवहार होता है, उन्हें कितना सहयोग और प्रोत्साहन मिलता है। यह भी सच है कि बहुत से विद्यालय जानबूझकर केवल मेधावी बच्चों पर अधिक ध्यान देते हैं ताकि उनका परिणाम अच्छा दिखाई दे। कमजोर छात्रों को अक्सर उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। कई बार उन्हें यह महसूस कराया जाता है कि वे विद्यालय की ह्लप्रतिष्ठाह्व पर बोझ हैं। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। शिक्षा में समान अवसर और समान सम्मान सबसे आवश्यक तत्व हैं। यदि विद्यालय ही बच्चों में भेदभाव करने लगेंगे, तो समाज में संवेदनशीलता कैसे विकसित होगी?

अभिभावकों की भूमिका भी यहाँ महत्वपूर्ण है। कई माता-पिता अपने बच्चों की तुलना दूसरों से करने लगते हैं। ह्लदेखो शर्मा जी के बेटे के 98% आए हैंह्व जैसे वाक्य बच्चों के आत्मविश्वास को तोड़ देते हैं। हर बच्चा अपनी गति और क्षमता के अनुसार सीखता है। जरूरत उसे समझने और प्रोत्साहित करने की है, न कि उसे लगातार दूसरों से कम साबित करने की। बच्चों को यह महसूस होना चाहिए कि वे केवल अंकों के कारण प्रिय नहीं हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व और प्रयास भी महत्वपूर्ण हैं। हमें यह भी समझना होगा कि जीवन में सफलता का संबंध केवल परीक्षा परिणामों से नहीं होता। इतिहास ऐसे अनेक उदाहरणों से भरा पड़ा है जहाँ औसत या सामान्य छात्र आगे चलकर महान वैज्ञानिक, लेखक, कलाकार, उद्यमी और नेता बने। दुनिया के कई सफल लोग पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था में ह्लटॉपरह्व नहीं थे। उनका आत्मविश्वास, रचनात्मकता और संघर्ष ही उनकी असली ताकत बने। इसलिए बच्चों को केवल प्रतिशत के आधार पर परखना उनके भविष्य को सीमित करना है। विद्यालय यदि सचमुच बच्चों को प्रेरित करना चाहते हैं तो उन्हें केवल टॉपर्स की तस्वीरें लगाने के बजाय हर उस छात्र की सराहना करनी चाहिए जिसने मेहनत की है। किसी ने पिछली बार से सुधार किया, किसी ने कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई जारी रखी, किसी ने आर्थिक समस्याओं के बावजूद परीक्षा पास की—ये उपलब्धियाँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग होना चाहिए। आज जरूरत इस बात की है कि शिक्षा को फिर से मानवीय बनाया जाए। बच्चों को यह सिखाया जाए कि उनका मूल्य केवल रिपोर्ट कार्ड से तय नहीं होता।

मातृ दिवस के अवसर पर लखनऊ में सजी सुरों की महफिल में आशा भोंसले को दी गई संगीतमय श्रद्धांजलि

भिवंडी/लखनऊ । विश्व मातृदिवस के पावन अवसर पर राजधानी लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था सुर ताल संगम द्वारा सुप्रसिद्ध पार्श्वगायिका आशा भोंसले को समर्पित भव्य संगीतमय श्रद्धांजलि संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गीत-संगीत और मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस विशेष आयोजन में आशा भोंसले के गाए लोकप्रिय गीतों की शानदार प्रस्तुतियां कलाकारों द्वारा दी गईं। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृत्व के सम्मान के साथ संगीत के माध्यम से भावनाओं की सुंदर अभिव्यक्ति करना था। समारोह में संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों, सुर ताल संगम इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों एवं कई प्रतिभाशाली कलाकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रामकुमारी जायसवाल उपस्थित रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर रंगकर्मी नवीन श्रीवास्तव एवं गायिका संगीता जायसवाल ने कलाकारों की सराहना करते हुए आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सुप्रसिद्ध गायक अविजित श्रीवास्तव की भजन प्रस्तुति से हुआ। इसके बाद अभय श्रीवास्तव, करूणा सचान, संगीता शुक्ला, दिनेश श्रीवास्तव, वंदना गुप्ता, हरीश चंद्र कांडपाल, सीमा श्रीवास्तव, सुनीता कांडपाल, हिमांशु वर्मा, सीमा विरमानी, सलीम अब्बासी, अनीता सिंह, माया तुन्नू, वंदना श्रीवास्तव, नीरजा पांडेय, अतुल श्रीवास्तव, आनंद कुमार, डॉ. राका सिन्हा, किरन सोनी और नमिता अग्रवाल सहित बाल कलाकार आद्या सिंह, अद्विका श्रीवास्तव, शरण्या सिंह, युविका पांडेय और रिशानी श्रीवास्तव ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने बताया कि संस्था की डायरेक्टर डॉ. जया श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व तथा संगीत प्रशिक्षक अविजित श्रीवास्तव के संयोजन में आयोजित यह कार्यक्रम संगीत प्रेमियों के लिए यादगार अनुभव साबित हुआ। साथ ही यह आयोजन समाज में सांस्कृतिक मूल्यों के प्रसार का भी प्रभावी माध्यम बना। कार्यक्रम के अंत में संस्था की ओर से सभी अतिथियों एवं को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

पश्चिम बंगाल चुनाव में योगदान पर महिला मोर्चा ने की नीलोबेन सोनी की सराहना

मुंबई। वनथी श्रीनिवासन ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने वाली उत्तर मुंबई भाजपा की मीडिया प्रभारी श्रीमती नीलोबेन सोनी को पत्र भेजकर उनके योगदान की सराहना की है। 11 मई 2026 को जारी इस पत्र में भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान नीलाबेन सोनी ने पूरी मेहनत, लगन समर्पण और अथक प्रयासों के साथ पार्टी के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी वह पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाती रहेंगी। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि नीलाबेन सौनी का उत्साह, संगठनात्मक क्षमता और कार्यशैली पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगी। भाजपा महिला मोर्चा की ओर से उनके बहुमूल्य योगदान और सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया गया। वहीं राजनीतिक गलियारों में इस पत्र को संगठन के समर्पित कार्यकताओं के मनोबल को बढ़ाने की पहल के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि नीलाबेन सोनी उत्तर मुंबई में पिछले तीन दशक से भाजपा में सक्रिय होकर पार्टी के लिए पूरी निष्ठा और लगन के साथ कार्य कर रही है।

राष्ट्रहित की रक्षा करने में ही सच्चा पुरुषार्थ है : श्री विज्ञानदेव जी महाराज

नवी मुंबई। विहंगम योग संस्थान के तत्वावधान में पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के प्रथम दिन, रविवार (१७ मई) को शाम ४ से ८ बजे तक एक अभूतपूर्व आध्यात्मिक समारोह का आयोजन किया गया। खारघर के सेक्टर २९ स्थित गावदेवी मंदिर प्रांगण में आयोजित इस भव्य समारोह के अंतर्गत १००१ कुंडीय वैदिक महायज्ञ संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं की स्वतःस्फूर्त और भारी भागीदारी के साथ संपन्न हुए इस अनुष्ठान से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। इस अवसर पर विहंगम योग के संतप्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मन की शांति के लिए वैदिक काल से चली आ रही प्राचीन ध्यान-साधना की विधि सिखाई। अपनी अमृतवाणी में उन्होंने कहा, ₹मन की शांति के बिना जीवन का कोई भी युद्ध जीता नहीं जा सकता। अग्नि को बुझाया जा सकता है, परंतु उसकी लपटों को झुकाया नहीं जा सकता। अग्नि की इन लपटों की तरह हमारा जीवन भी निरंतर ऊर्ध्वगामी (ऊपर की ओर) होना चाहिए तथा विकास और प्रगति की दिशा में अग्रसर रहना चाहिए। अपने व्यक्तिगत हित के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के हित की रक्षा करने में ही सच्चा पुरुषार्थ है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने सभी को वाराणसी स्थित विहंगम योग के अत्यंत विशाल साधना-केंद्र 'स्वर्वेद महामंदिर धाम' आने का भावभीना निमंत्रण दिया।

इंडियाज बेस्ट डांसर के जज टेरेंस लुईस

मुंबई/पटना। इंडियाज बेस्ट डांसर हमेशा से इंडिविजुअलिटी को सेलिब्रेट करता आया है। आप अपनी टेक्निकल अप्रोच के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में जब कोई डांसर अपना अलग स्टाइल लेकर आता है, तो आप उसे कैसे जज करते हैं?

जवाब- टेक्नीक एक साधन है, मंज़िल नहीं। जब मैं किसी यूनिक स्टाइल को देखता हूँ, तो सबसे पहले यह देखता हूँ कि क्या डांसर अपने शरीर से सच्ची बातचीत कर रहा है या बस आदत से मूव कर रहा है। जागरूकता के साथ आने वाली इंडिविजुअलिटी ही असली आर्ट है।

सबसे यादगार डांसर वो नहीं होते जो परफेक्ट टेक्नीक दिखाते हैं, बल्कि वो होते हैं जिन्हें रिप्लेस नहीं किया जा सकता।

डॉ. हेमंत सावरा शतक महोत्सव 2025 कार्यक्रम में हुए शामिल

पालघर (उत्तरशक्ति)। सतपति मंगेला समाजोन्नति संघ द्वारा आयोजित शतक महोत्सव 2025 कार्यक्रम उत्साह और सामाजिक एकता के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पालघर लोकसभा सांसद डॉ. हेमंत सावरा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम समाज की तरक्की, एकता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस दौरान उपस्थित समुदाय के सदस्यों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए समाज के सर्वांगीण विकास और संगठनात्मक मजबूती पर चर्चा की गई।

डॉ. हेमंत सावरा ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करते हैं तथा सामाजिक विकास को नई दिशा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर सोसायटी के प्रेसिडेंट चंद्रकांत भीमजी सावे (पूर्व मेयर), स्वागत अध्यक्ष नरेश पांडुरंग मेहर, मुख्य अतिथि विधायक राजेश रघुनाथ पाटिल, प्रेसिडेंट राजन पांडुरंग मेहर, वाइस प्रेसिडेंट अशोक काशीनाथ चौधरी तथा श्रीमती विभा संदीप पाटिल चौधरी (सरपंच, ग्राम पंचायत सतपति) सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों की बड़ी संख्या में सहभागिता देखने को मिली, जिसने आयोजन को और अधिक सफल एवं प्रेरणादायी बनाया।

रईस हाई स्कूल के शानदार परीक्षा परिणाम पर चेयरमैन व प्रिंसिपल का सत्कार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के दसवीं और बारहवीं के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर के.एम.ई. सोसायटी के उपाध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन और जनरल सेक्रेटरी दानियाल काजी ने संस्था के चेयरमैन इंजीनियर यासर तातली तथा प्रिंसिपल ज़ियाउर्रहमान अंसारी का शॉल, गुलदस्ता और शुभकामना संदेश देकर सम्मान किया।पदाधिकारियों ने इस सफलता का श्रेय शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों की मेहनत को देते हुए कहा कि संस्था लगातार शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। वहीं प्रिंसिपल अंसारी ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए इसे पूरी शैक्षणिक टीम के संयुक्त प्रयास का परिणाम बताया।

भाजपा नेते कल्पेश चौहान का जन्मदिन मनाया गया

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई रोड पश्चिम 97 वॉर्ड मे भाजपा कार्यालय मे भारतीय जनता पार्टी के युवा नेते कल्पेश चौहान का जन्मदिन धामधूम से मनाया गया। जिसमेआमदार स्नेहा दुबे पंडित नगरसेवीका निम्मी दोषी, नगरसेवी का अपर्णा पाटील निपुण दोशी समाज सेवक लालजी कनौजिया ,कमलेश मोरिया ,मनीष राठौर ,हर्षित शाह बबीता शर्मा ,रूमा शर्मा ,प्रिया प्रेमलवार ,जय श्री खोदनी ,कंचन सोनी, हर्षित शाह, छोटू आनंद ,हरीश बेदी, दुर्लभभाई,रोहित दरजी ,नरेंद्र चौहान ने कल्पेश चौहान को लंबी आयु और स्वस्थ आयु की शुभकामना दिया।

भाजपा का रोड डामरीकरण फॉलो-अप रहा सफल

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई वेस्ट के अंबाडी रोड पर सिक्सटी फुट रोड से पंचवटी नाका तक अधूरी पड़ी सड़क के डामरीकरण का कार्य आखिरकार शुरू हो गया है। इस काम को जल्द पूरा करवाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कॉर्पोरेटर महेश सरवणकर द्वारा लगातार किए गए फॉलो-अप का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल के लिए कॉर्पोरेटर महेश सरवणकर का आभार व्यक्त किया है।

वसई विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के वार्ड कमेटी ल क्षेत्र में सिक्सटी फुट रोड से पंचवटी नाका तक सड़क निर्माण का कार्य पिछले डेढ़ से दो महीने से अधूरा पड़ा था। सड़क निर्माण करने वाले कॉन्ट्रैक्टर द्वारा काम अधूरा छोड़ दिए जाने के कारण सड़क पर रेत और बजरी फैली हुई थी, जिससे विशेष रूप से टू-व्हीलर चालकों के लगातार एक्सीडेंट हो रहे थे।

इस गंभीर समस्या को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल के अध्यक्ष एवं कॉर्पोरेटर महेश सरवणकर ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर अधूरी सड़क का काम तुरंत पूरा करने की मांग की थी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि सड़क का डामरीकरण जल्द शुरू नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

9 मई 2026 को महेश सरवणकर ने इस मामले में सड़क पर हो रहे हादसों के लिए संबंधित कॉन्ट्रैक्टर को जिम्मेदार ठहराते हुए उसके खिलाफ केस दर्ज करने की भी मांग की थी। इसके बाद संबंधित कॉन्ट्रैक्टर और म्युनिसिपल इंजीनियर ने भाजपा पदाधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया और भरोसा दिलाया कि कार्य तुरंत पूरा किया जाएगा। अब सड़क पर डामरीकरण का काम शुरू हो चुका है, जिससे स्थानीय नागरिकों में राहत और खुशी का माहौल है। नागरिकों ने कहा कि कॉर्पोरेटर महेश सरवणकर के लगातार प्रयासों और फॉलो-अप के कारण ही इस काम में तेजी आई है। डामरीकरण कार्य के दौरान भाजपा के पदाधिकारी जितेंद्र वेंगुर्लेकर, कल्पित फलदू, नितेश भालेराव, मार्कंडेय पांडे, संजय गावित, भावेश शाह सहित अन्य कार्यकर्ता मौके पर उपस्थित रहे।

स्नेहा दुबे पंडित ने वसंतनगरी वसई ईस्ट में किया कामो का उद्घाटन

वसई (उत्तरशक्ति)। वसंत नगरी सेक्टर 8, वसई ईस्ट में डेवलपमेंट सिर्फ.एक घोषणा नहीं है, बल्कि दिए गए वादे को पूरा करने की सच्ची भावना ही लोगों की सच्ची नुमाइंदगी है। वसंत नगरी सेक्टर 8 में पिछले 17 सालों से रुके हुए सड़क की ऊंचाई बढ़ाने और सीवरेज सिस्टम बनाने के जरूरी डेवलपमेंट काम का शिलान्यास पहले मेरे द्वारा किया गया।स्थानीय नागरिकों की लगातार मांग को पूरा करके और डेवलपमेंट काम पर लगातार नजर रखते हुए, यह बहुत इंतजार किया जा रहा काम आखिरकार पूरा हो गया है और आज वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित द्वारा उत्साह भरे माहौल में उक्त डेवलपमेंट काम का उद्घाटन किया गया। शिलान्यास से उद्घाटन तक का यह सफर दिए गए वादे को पूरा करने और डेवलपमेंट के प्रति कमिटमेंट का जीता-जागता उदाहरण बन गया है। यह डेवलपमेंट काम इलाके के नागरिकों को बड़ी राहत देगा और मानसून में पानी भरने, ट्रैफिक जाम और बुनियादी सुविधाओं की समस्याओं को हल करने में मदद करेगा।इस मौके पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ भाजपा वसई विरार शहर डिस्ट्रिक्ट के जनरल सेक्रेटरी बिजेंद्र कुमार, कॉर्पोरेटर श्रीमती कल्पना नागपुरे, वसई ईस्ट साउथ मंडल प्रेसिडेंट उदय शेट्टी, श्रीमती कंचन झा, राजूरतन मिश्रा, गोपी मेनन, अंशुमान ठाकुर, सुनील पांडे, राजदेव सिंह, मयंक शेठ, निपुण दोशी, मयूर नाइक के साथ-साथ वसंत नगरी सेक्टर 8 की अलग-अलग सोसाइटियों के चेयरमैन, सेक्रेटरी, मेंबर और नागरिक मौजूद थे।

शिवसेना नेता मनोज काटेकर ने भाजपा पर आरोप लगाकर कहा कि भाजपा सेक्युलर फ्रंट की मदद कर रही है

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा की स्थायी समिति चुनाव के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। शिवसेना (शिंदे गुट) के गटनेता मनोज काटेकर ने भाजपा पर कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के तथाकथित ‖सेक्युलर फ्रंट‖ को समर्थन देने का आरोप लगाया है। मनोज काटेकर ने कहा कि महापौर चुनाव से ही भाजपा सेक्युलर फ्रंट के साथ काम कर रही है और स्थायी समिति चुनाव में भाजपा सदस्यों की गैरमौजूदगी से यह बात स्पष्ट हो गई। भाजपा सदस्यों के अनुपस्थित रहने से शिंदे गुट के उम्मीदवार की हार हुई और इसका सीधा फायदा सेक्युलर फ्रंट को मिला। उन्होंने भाजपा गटनेता संतोष शेट्टी के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि ‖हमारे पास समर्थन मांगने कोई नहीं आया था। काटेकर ने दावा किया कि उन्होंने स्वयं वरिष्ठ नेता मदनबुवा नाईक के साथ भाजपा गटनेता संतोष शेट्टी और विधायक महेश चौघुले से लगातार तीन दिनों तक मुलाकात की थी। काटेकर ने कहा कि स्थायी समिति में शिवसेना (शिंदे गुट) के 5 और भाजपा के 4 सदस्य हैं। उन्होंने भाजपा से शिवसेना को समर्थन देने की मांग की थी, और यदि वह संभव नहीं था तो भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देने के लिए भी वे तैयार थे। लेकिन भाजपा ने दोनों प्रस्ताव ठुकरा दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का यह रवैया साफ दर्शाता है कि वह भिवंडी में सेक्युलर फ्रंट को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रही है।

आदिवासी पारधी महासंघ की ओर से समाजहित के लिए महत्वपूर्ण उपक्रम का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई व नवी मुंबई के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार के नेतृत्व में आदिवासी पारधी वाडी, एमआईडीसी महापे, घनसोली, में रहने वाले आदिवासी पारधी समाज के लोगों के लिए रविवार को एकदिवसीय आधार कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। बता दें कि दूसरी बार आयोजित किए गए इस आधार कार्ड शिविर का लाभ सैकड़ों लोगों ने उठाया। यह महत्वपूर्ण शिविर आदिवासी पारधी महासंघ के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार और लक्ष्मी देवी आदिवासी पारधी ट्रस्ट के अध्यक्ष के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद, वंचित और नागरिकों को जो दस्तावेज समस्याओं के कारण कई सरकारी योजनाओं से वंचित हैं, उन्हें एक ही स्थान पर आधार कार्ड संबंधी सुविधाएं प्रदान करना था। इस आधार कार्ड शिविर में, नए आधार कार्ड पंजीकरण, पुराने आधार कार्ड में सुधार, मोबाइल नंबर अपडेट, पता परिवर्तन, जन्मतिथि में सुधार, बायोमेट्रिक अपडेट, बच्चों के आधार कार्ड पंजीकरण जैसी विभिन्न सुविधाएं नागरिकों को प्रदान की गईं। इस शिविर में इलाके की महिलाओं, पुरुषों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं और बच्चों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। क्योंकि आधार कार्ड कई नागरिकों के लिए अलग-अलग सरकारी योजनाओं का फायदा उठाने के लिए बहुत जरूरी है, इसलिए इस शिविर से नागरिकों को काफी लाभ हुआ है। खासकर दिहाड़ी मजदूरों, गरीब परिवारों और पढ़ाई कर रहे छात्रों को इसका बहुत फायदा हुआ है।

संतोष एकनाथ पवार ने समाज के हर व्यक्ति तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने के मकसद से लगातार कई सामाजिक उपक्रम का आयोजन किया है। उनके मार्गदर्शन में लगाए गए इस दूसरे आधार कार्ड शिविर से आदिवासी पारधी बस्ती के कई नागरिकों की समस्याओं को हल करने में मदद मिली है। बताया जाता है कि अनेक नागरिकों को अपना आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए दूर जाना पड़ता था, जिसमें समय और पैसा भी खर्च होता था। इस कैंप को सीधे बस्ती में लगाने से नागरिकों का समय और पैसे दोनों की बचत हुई है। नागरिकों ने संतोष एकनाथ पवार और उनके साथियों का दिल से शुक्रिया अदा किया।

बिजली बिल में प्रति यूनिट पर 55 पैसे की छूट : संजय उपाध्याय

महंगाई के अंधेरे में राहत की किरण

मुंबई। बोरीवली में स्थानीय भाजपा विधायक संजय उपाध्याय और बिजली प्रदाताओं के बीच एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में महानगरपालिका, टाटा पावर और अडानी इलेक्ट्रिसिटी के उच्च अधिकारी मुख्य रूप से शामिल हुए। इस प्रकार की यह पहली और ऐतिहासिक बैठक रही, जिसमें जनता की बुनियादी समस्याओं के निवारण और भविष्य की योजनाओं पर गहराई से चर्चा की गई।इस बैठक के बाद संजय उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की कोशिशों के कारण आने वाले दिनों में मुंबईवासियों को सुबह 9 से शाम 5 बजे के बीच उपयोग की गई बिजली मीटर के प्रति यूनिट पर 55 पैसे चार्ज कम किया जाएगा।

अंधेरे क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्थाः बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि शहर के जिन उद्यानों (गार्डन्स) और सार्वजनिक स्थानों पर अंधेरा रहता है, वहाँ तत्काल प्रभाव से नई स्ट्रीट लाइट्स लगाई जाएँगी ताकि नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्मार्ट मीटर को लेकर आ रही शिकायतों का निवारण किया जा रहा है। इसके साथ ही, स्मार्ट मीटर के क्रियान्वयन के बाद उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट बिजली पर सीधे आर्थिक लाभ मिलेगा। इस वर्ष 55 पैसे प्रति यूनिट की छूट दी जाएगी, जिसे अगले वर्ष और बढ़ाया जाएगा। यह लाभ सीधे ग्राहकों के खातों/बिलों में ट्रांसफर होगा।

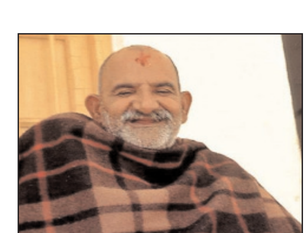

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

चंदौली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, महिला बनकर लूट करने वाला बदमाश मुठभेड़ में घायल

चंदौली (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चंदौली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। हाईवे पर महिला का भेष बदलकर ट्रक चालकों को लूटने वाले शातिर बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि आरोपी रात के समय महिला के कपड़े पहनकर हाईवे किनारे खड़ा हो जाता था और ट्रक ड्राइवरों को अपने जाल में फंसाकर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता था। इस गिरोह की गतिविधियों से ट्रांसपोर्टरों और वाहन चालकों में दहशत का माहौल था।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गिरोह का एक सदस्य इलाके में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी की। खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से आरोपी घायल हो गया।

पुलिस ने मौके से अवैध तमंचा, कारतूस और अन्य सामान बरामद किया है। घायल बदमाश पर कई संगीन मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। पुलिस उसके अन्य साथियों की तलाश में जुटी हुई है।

बारात में जमकर हुई मारपीट, 4 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के मनवल गांव में बारात के दौरान हुए विवाद के बाद दो पक्षों में मारपीट हो गई। घटना में एक महिला समेत कई लोगों को चोटें आई हैं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

उक्त गांव निवासी शिवम कुमार पुत्र रामजियावन हरिजन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव से बारात जा रही थी जिसमें वह डांस कर रहा था। आरोप है कि इसी दौरान गांव का आदर्श पुत्र सभाजीत उसे साइड में बुलाकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आदर्श, सत्यम पुत्र लालजीत, अंश पुत्र रामजीत तथा शिव मंगल ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी।

पीड़ित का आरोप है कि अगले दिन सुबह वह नहर की तरफ से लौट रहा था तभी विपक्षी लाठी-डंडा लेकर पहुंच गए और हमला कर दिया। मारपीट में उसकी चाची गंभीर रूप से घायल हो गईं तथा उनका सिर फट गया। आरोपित जाते समय जान से मारने की धमकी भी देते गये। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष यजुवेंद्र सिंह ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जौनपुर में अंशकालिक अनुदेशकों का सम्मान, बढ़े मानदेय के चेक पाकर खिले चेहरे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में रविवार को बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित

'अंशकालिक अनुदेशक सम्मान एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण समारोह' उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार द्वारा बढ़ाए गए मानदेय के प्रतीकात्मक चेक वितरित कर अनुदेशकों को सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि अंशकालिक अनुदेशक शिक्षा व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं और सरकार उनके सम्मान एवं हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से विद्यालयों में सेवाएं दे रहे अनुदेशकों का मानदेय बढ़ाकर 17 हजार रुपये किया गया है, जिससे उनमें नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होगा। कार्यक्रम में विधायक मड़ियाहूं डॉ. आर. के. पटेल, विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्र, जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन., जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल समेत कई अधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे।

समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। देशभक्ति और सामाजिक समरसता पर आधारित प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के दौरान बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं से जुड़े स्टॉल भी लगाए गए, जिनमें निपुण भारत मिशन, स्मार्ट क्लास, डिजिटल शिक्षा और छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी गई। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विभागीय प्रयासों की सराहना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देने की बात कही।

समारोह में कई अंशकालिक अनुदेशकों को सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले अनुदेशकों ने सरकार और बेसिक शिक्षा विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बढ़े हुए मानदेय से उन्हें आर्थिक मजबूती मिलेगी और वे और बेहतर ढंग से अपनी सेवाएं दे।

मां काली मंदिर परिसर में अवैध अतिक्रमण का प्रयास, ग्रामीणों ने की पुलिस से शिकायत

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत भड़ेहरी में एक प्राचीन मंदिर परिसर पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। गांव के बीचो-बीच स्थित प्राचीन मां काली मंदिर के परिसर में हो रहे अतिक्रमण को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। सोमवार को ग्रामीणों ने इस संबंध में चौकी प्रभारी को एक सामूहिक शिकायती पत्र सौंपकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

चौकी प्रभारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गांव का ही एक व्यक्ति, बदरुद्दीन मंदिर परिसर से सटी जमीन पर ईंट, गाटर, पटिया, पत्थर और मलबा आदि निर्माण सामग्री इकट्ठा कर अवैध कब्जा कर रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है और जबरन मंदिर की भूमि को अपने कब्जे में लेना चाहता है। शिकायत पत्र में ग्रामीणों ने उल्लेख किया है कि इस अवैध अतिक्रमण के प्रयास के कारण गांव की महिलाओं और पुरुषों को मंदिर में पूजा-पाठ और दर्शन करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इससे स्थानीय हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंच रही है। राघवेंद्र सिंह, दीपक सिंह, विजय बहादुर सिंह, नरेंद्र सिंह, राजेंद्र प्रसाद, गुलाब चंद्र सिंह, रामसूरत सिंह, सुरेंद्र नाथ सिंह, शत्रुघ्न सिंह और सुभाष चंद्र सिंह सहित दर्जनों ग्रामीणों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन से गुहार लगाई है उन्होंने आरोपी बदरुद्दीन के खिलाफ तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई करने और मंदिर परिसर से अतिक्रमण की सामग्रियों को हटवाने की मांग की है। जिससे बिना किसी बाधा के शांतिपूर्वक पूजा-पाठ किया जा सके।

भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए आगे आया बेसिक शिक्षा विभाग, बीएसए ने कराया दाना-पानी की व्यवस्था

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भाषण गर्मी के दृष्टिगत बेजुबान पक्षियों को

राहत पहुंचाने के उद्देश्य से देशभर के विभिन्न विद्यालयों में विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद जौनपुर में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन के निर्देश पर नगर के कंपोजिट विद्यालय मखदूम शाह अढ़न परिसर में पक्षियों के लिए दाना-पानी की विशेष व्यवस्था की गई।

बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने स्वयं विद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए पानी से भरे मिट्टी के सकोरे रखवाए तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को नियमित रूप से दाना-पानी उपलब्ध कराने का संकल्प दिलाया। विद्यालयों में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक मिलकर पेड़ों और छतों पर मिट्टी के परंडे बांध रहे हैं, ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत मिल सके।

बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जनपद के समस्त शिक्षकों को इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने का निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे कार्यों से बच्चों में जीव-दया, मानवीय संवेदनाएं और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित होती है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों में सामाजिक और नैतिक मूल्यों का विकास करना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। यह पहल विद्यार्थियों को प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

इस अवसर पर विंध्यवासिनी उपाध्याय (वरिष्ठ सहायक), डीसी अरुण मौर्या, शशिधर उपाध्याय व समस्त विद्यालय स्टॉफ उपस्थित रहे।

विद्यालयों में आम वितरण को लेकर बच्चों में दिखा उत्साह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निदेर्शानुसार सोमवार को जनपद के कंपोजिट एवं

प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों को फल वितरण कार्यक्रम के तहत बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने बच्चों के बीच आम वितरित किए और बच्चों के साथ समय बिताया। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक सोमवार को विद्यालयों में बच्चों को फल वितरित किया जाता है। वर्तमान समय आम का सीजन होने के कारण बच्चों को पौष्टिक फल के रूप में आम उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है, जिससे उनके स्वास्थ्य और शैक्षिक विकास को मजबूती मिले।विद्यालयों में आम वितरण को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने खुशी-खुशी आम ग्रहण किया और विभाग की इस पहल की सराहना की। विद्यालय स्टाफ ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।

चौकियां नईबाजार में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, एक की मौत, पांच घायल

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के चौकियां नईबाजार स्थित काशी गोमती ग्रामीण बैंक के सामने सोमवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरौनी पश्चिम पट्टी निवासी अविनाश उर्फ मेटी पुत्र संजू अपने साथ अमित कुमार पुत्र सुरेंद्र, पंकज कुमार पुत्र जोखू तथा ईशु कुमार पुत्र संजय कुमार को लेकर बाइक से अपने घर से देवकली बाजार की तरफ जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक चौकियां नईबाजार स्थित काशी गोमती ग्रामीण बैंक के सामने पहुंची, सामने से आ रही

दूसरी बाइक से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई।

दूसरी बाइक पर गाजीपुर जनपद के चांदेपुर थाना क्षेत्र निवासी गजराज पुत्र रामजियावान अपने पुत्र सूरज के साथ जौनपुर से गाजीपुर की तरफ जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और सभी लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्काल एम्बुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत लेकर पहुंची, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर हालत को देखते हुए अविनाश कुमार पुत्र मंजू, अमित कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार, पंकज कुमार पुत्र जोखू, ईशु कुमार पुत्र संजय कुमार तथा गजराज कुमार पुत्र रामजियावान को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल सूरज पुत्र गजराज निवासी चांदेपुर थाना खानपुर जनपद गाजीपुर की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को कब्जे में लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद कुछ समय तक सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा।

मुख्यमंत्री योगी ने भरा डिजिटल स्वगणना प्रपत्र

सीएम ने की 21 मई तक चलने वाली स्वगणना प्रक्रिया में सभी नागरिकों की सहभागिता की अपील

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर प्रवास के दौरान गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित अपने आवास पर प्रदेश में जारी डिजिटल जनगणना के प्रथम चरण के अंतर्गत स्वगणना (सेल्फ एनुमेरेशन) का डिजिटल/ ऑनलाइन प्रपत्र भरा। इस अवसर पर उन्होंने 21 मई तक चलने वाली डिजिटल स्वगणना की प्रक्रिया में सभी नागरिकों की हिस्सेदारी की अपील की।

मुख्यमंत्री ने स्वगणना पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज की। सभी जानकारियों के कॉलम को पूर्ण किया। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से इस प्रक्रिया में सहभागिता दर्ज कराने की अपील करते हुए कहा कि यह देश की पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना है। इसका मुख्य उद्देश्य 'हमारी जनगणना-हमारा विकास' की भावना के साथ सटीक आंकड़े जुटाकर प्रदेश के विकास और कल्याणकारी योजनाओं की रूपरेखा तैयार करना है। उल्लेखनीय है कि 7 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से डिजिटल जनगणना के पहले चरण 'स्वगणना' का शुभारंभ किया था।

सड़क हादसे में दो सरकारी चिकित्सक सहित तीन घायल, हालत गम्भीर

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एक सड़क हादसे में स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में तैनात दो चिकित्सक और एक सेवा निर्वित बड़े बाबू गम्भीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार रविवार की देर रात सामुदायिक स्वास्थ केंद्र शाहगंज में तैनात डॉक्टर आरके वर्मा, डॉक्टर हरिओम मौर्या एवं सेवा निर्वित बड़े बाबू मो. अब्बास उर्फ बिस्मिल्ला एक कार में सवार होकर नीम करौली धाम से दर्शन कर लौट रहे थे।की शाहगंज नगर से थोड़ी दूर खैरुद्दीनपुर के पास वाहन चला रहे डॉक्टर आरके वर्मा का संतुलन

अस्पताल में भर्ती

बिगड़ गया। और वाहन एक दीवार से टकराकर पलट गई। जिससे गाड़ी पूरी तरह छतिग्रस्त गो गयी।चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुँचे और सभी घायलों को वाहन से बाहर निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाये जहां हालत गम्भीर देखते हुए रेफर कर दिया।

उसके तीनो घायलों को नगर के दो अलग अलग निजी अस्पतालों में उपचार जारी है।

घटना की खबर फैलती ही शुभचिंतकों का उक्त डॉक्टरों और बड़े बाबू को कुशलक्षेम जानने हेतू अस्पताल में तांता लगा रहा। फिलहाल डॉक्टर आरके वर्मा को सीने में गहरी चोट लगी है।और डॉक्टर हरिओम मौर्या को सर में काफी गम्भीर चोट है। वही मो. अब्बास उर्फ बिस्मिल्ला का पैर फ्रैक्चर हो गया है। इलाज जारी है।बताते हैं की सभी घायल अभी खतरे से बाहर हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार में मचा कोहराम

सरिता यादव

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में सोमवार की सुबह एक युवक द्वारा संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर निवासी प्रिंस कुमार पुत्र राकेश कुमार उम्र लगभग 20 वर्ष सोमवार की सुबह करीब 11 बजे अपने मकान के दूसरे तल पर संदिग्ध परिस्थितियों में साड़ी के फंदे के सहारे लटकता हुआ मिला। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

बताया जाता है कि मृतक तीन भाइयों और एक बहन में दूसरे नंबर पर था। उसके माता-पिता तथा छोटी बहन रोजी-रोटी के सिलसिले में अमृतसर में रहते हैं। बड़ा भाई गांव में रहकर शादी समारोहों में वीडियोग्राफी का कार्य करता है। मृतक प्रिंस दो माह पूर्व ही गुजरात से अपने घर वापस आया था। वह घर पर अपने भाइयों तथा दादा-दादी के साथ रहता था।

घटना की सूचना ग्रामीणों द्वारा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में ले लिया। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। गांव के लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

बहराइच में भीषण सड़क हादसा, टाटा पंच और कंबाइन मशीन की टक्कर में 4 की मौत

बहराइच (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में रविवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बहराइच-नानपारा मार्ग पर डिहवा के पास तेज रफ्तार टाटा पंच कार और कंबाइन मशीन के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया और घायलों को अस्पताल भिजवाया।

गंभीर रूप से घायल दोनों व्यक्तियों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से सड़क पर सावधानी बरतने और तेज रफ्तार से वाहन न चलाने की अपील की है।

आंधी-तूफान में गिरा विशाल पेड़, जरौना रेलवे स्टेशन मार्ग पर यातायात बाधित

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में आए तेज आंधी-तूफान का असर अब भी देखने को मिल रहा है। मीरगंज थाना क्षेत्र के जरौना रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर रेलवे विभाग के अधीन स्थित एक

विशाल पेड़ सड़क पर गिर पड़ा, जिससे आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो गया है।

पेड़ गिरने के कारण सड़क पर उसकी बड़ी-बड़ी शाखाएं फैल गई हैं, जिससे खासकर बड़े वाहनों के निकलने में भारी दिक्कत हो रही है। वहीं बाइक सवारों और पैदल यात्रियों को भी जोखिम उठाकर रास्ता पार करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार तेज हवाओं के चलते पेड़ जड़ समेत उखड़कर सड़क पर आ गिरा। गनीमत रही कि घटना के समय वहां कोई राहगीर मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद काफी समय बीत जाने के बावजूद संबंधित विभाग की ओर से पेड़ हटाने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे स्थानीय नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन और रेलवे विभाग से जल्द मार्ग साफ कर यातायात सुचारु कराने की मांग की है।

फर्जी निस्तारण का आरोप, उच्चस्तरीय जांच की मांग

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के दलालटोला हालमुकाम मोहल्ला सिपाह निवासी अधिवक्ता बृजेश कुमार सोनकर ने तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर नगर पंचायत केराकत के अधिशासी अधिकारी एवं जांच अधिकारी पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके घर में नगर पंचायत की नाली का गंदा पानी प्रवेश कर रहा है,

अधिवक्ता बृजेश कुमार सोनकर नें जाँच अधिकारी पर लगाया आरोप

जिससे बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। अधिवक्ता का आरोप है कि पूर्व में दिए गए शिकायती पत्रों पर बिना स्थलीय निरीक्षण किए ही रिपोर्ट लगा दी गई। उन्होंने जांच प्रक्रिया में अनियमितता तथा स्पॉट मेमो पर हस्ताक्षर न कराने का भी आरोप लगाया। प्रार्थी ने तहसील दिवस अधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

पीडीए आंदोलन सामाजिक बराबरी की लड़ाई, अखिलेश यादव लोकतंत्र की मजबूत आवाज: अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने सोमवार को जौनपुर के पीडीए भवन, कटघरा में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि अखिलेश यादव सामाजिक न्याय, भाईचारे और संवैधानिक मूल्यों के सबसे मजबूत प्रतीक हैं।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने हमेशा समाज को जोड़ने की राजनीति की है और हर धर्म, जाति व वर्ग को साथ लेकर चलने का काम किया है। यही वजह है कि आज देश का नौजवान, किसान, मजदूर, पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समाज उनसे उम्मीद लगाए हुए है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि समाजवादी विचारधारा गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक सौहार्द की पक्षधर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की बदहाली और सामाजिक भेदभाव जैसे गंभीर मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का पीडीए आंदोलन सामाजिक बराबरी और हिस्सेदारी की लड़ाई है, जो गरीबों, किसानों, पिछड़ों, दलितों और वंचित समाज को सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए चलाया जा रहा है। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों और पीडीए आंदोलन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग का फेयरवेल कार्यक्रम 'सफर' आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में प्रबंध संकाय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा फेयरवेल कार्यक्रम 'सफर' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए शिक्षकों ने सफलता, अनुशासन और कठिन परिश्रम का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. मानस पाण्डेय ने कहा कि शिक्षा हमें अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करती है तथा अपने उद्देश्य के प्रति अडिग रहने पर निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होती है। इसके बाद डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि कठिन परिश्रम, लगन और सतत अभ्यास से जीवन के उद्देश्य को प्राप्त किया जा सकता है। इसी क्रम में डॉ. अंजनी कुमार मिश्र ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ.

निशा पाण्डेय ने अनुशासन, संयम और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन जाह्नवी सिंह और दीक्षा सिंह ने किया। कार्यक्रम की रूपरेखा अंकित राय, आयुष मिश्र, अभिषेक सिंह एवं शिवानी सिंह आदि ने तैयार की। इस अवसर पर सीनियर विद्यार्थियों विवेक, औचित्य, पृथुल, विमलेश, सचिन, श्रेया, काजल, अलशिफा, साक्षी और मुस्कान आदि ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पोस्टमैन के लिए समर हेल्थ इनिशिएटिव कैंपेन चलाया गया

मुंबई। पोस्टमैन हमारे समाज के कम्युनिकेशन सिस्टम की रीढ़ हैं। किसी भी मौसम में, चाहे बारिश हो या चिलचिलाती गर्मी, वे बिना रुके सर्विस देकर हमें जोड़े रखते हैं। उनके डेडिकेशन का सम्मान करने के लिए, ल्श्वर हॉस्पिटल ने एक बड़ी सोशल कमिटमेंट पहल शुरू की है। समर हेल्थ इनिशिएटिव के तहत, हाल ही में दादर पोस्टल डिवीजन के मेहनती पोस्टमैन को चिलचिलाती गर्मी में सुरक्षित और हाइड्रेटेड रखने के लिए कई चीजें बांटी गईं। इसमें 100 से ज्यादा प्रीमियम पानी की बोतलें, प्रोटेक्टिव कैप, फर्स्ट एड किट और डफ्र पैक शामिल थे।

इंदौर में पांचवी मंजिल से गिरे जूनियर डॉक्टर की मौत, एमजीएम मेडिकल कॉलेज के बॉयज हॉस्टल परिसर में मिला शव

डॉ. अमन पटेल, मृतक

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तर शक्ति)। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे एमजीएम बॉयज हॉस्टल परिसर के ब्लॉक नंबर-5 के पास डॉक्टर का शव मिला। घटना के बाद हॉस्टल परिसर में सनसनी फैल गई।सूचना मिलते ही संयोगितागंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि आत्महत्या और हादसे दोनों बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। एमजीएम मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने बताया कि डॉ. अमन पटेल शांत, होनहार और समर्पित छात्र थे। उनके निधन से कॉलेज और चिकित्सा क्षेत्र में शोक का माहौल है। डॉक्टर अमन पटेल के दोस्त डॉक्टर प्रकल्प गुप्ता ने बताया कि अमन मेरा बहुत अच्छा दोस्त था। सुबह ही मुझे घटना के बारे में पता चला तो बहुत दुख हुआ। हम दोनों ने जबलपुर से एमबीबीएस साथ ही किया था। अमन प्रोफेशनली बहुत साउंड और शांत स्वभाव का था। विश्वास नहीं होता कि वह अब इस दुनिया में नहीं है ।

नगरसेवक धर्मेश गिरी से स्नेहपूर्ण मुलाकात

मुंबई। नगरसेवक धर्मेश गिरी से उनके कार्यालय पर वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर पांडेय के साथ पत्रकार आदेश मिश्र ने सौहार्दपूर्ण मुलाकात की। इस दौरान नगरसेवक अंतर्गत घाटकोपर क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं, नागरिक समस्याओं तथा विभिन्न विकास कार्यों से जुड़े विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। बैठक में क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने, नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा जनसमस्याओं के समाधान को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। नगरसेवक धर्मेश गिरी ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही।

शून्य एनपीए. शून्य शॉर्टकट. शून्य समझौता. 96 वर्षों की श्रेष्ठ उपलब्धि!

मुंबई/पुणे। एमबँक, दि मुस्लिम को-ऑपरेटिव्ह बँक लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र के सबसे विश्वसनीय शहरी सहकारी बैंकों में से एक, ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का समापन अपने 96 वर्षों के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ किया है। यह वर्ष बैंक की सेवा, विश्वास और सतत विकास की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ है।

यह सफलता तकनीकी एकीकरण में निरंतर निवेश, वित्तीय सेवाओं के विस्तार और बैंकिंग प्रक्रियाओं को अधिक तेज, सरल एवं सुविधाजनक बनाने की दिशा में किए गए ठोस प्रयासों का परिणाम है। ये उपलब्धियां बैंक के हर उस ग्राहक और शेयरधारक की हैं, जिन्होंने अपनी बचत के साथ हम पर भरोसा जताया; हर उस शेयरधारक की हैं, जिन्होंने हमारी दृष्टि पर विश्वास किया; हर बोर्ड सदस्य की हैं, जिन्होंने हमें मार्गदर्शन दिया; और हर कर्मचारी की हैं, जिन्होंने प्रतिदिन अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया। मैं उन सभी का दिल से आभार व्यक्त करता हूं, ऐसा कहना है तनवीर इनामदार, चेयरमैन, एमबँक का। आज एमबँक एक ही परिवार की कई पीढ़ियों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है, जो लेनदेन से परे जाकर स्थापित हुए विश्वास का प्रमाण है। आधुनिक डिजिटल अवसंरचना और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, बैंक ने पारंपरिक बैंकिंग की विरासत और नई पीढ़ी की अपेक्षाओं के बीच सफलतापूर्वक सेतु का कार्य किया है।

हाउस ऑफ स्वामीराज ने कोपरी में 280 करोड़ के नए लग्जरी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट की घोषणा की

मुंबई। ठाणे के तेजी से बढ़ते रियल एस्टेट सेक्टर में अपनी मौजूदगी को बढ़ाते हुए इस सेक्टर का एक बड़ा नाम हाउस ऑफ स्वामीराज ने कोपरी, ठाणे (ईस्ट) में एक और महत्वपूर्ण रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट शुरू करने की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 280 करोड़ रुपये है। यह एक हाई-पोटेंशियल माइक्रो-मार्केट में लग्जरी-लेड अर्बन डेवलपमेंट शुरू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुंबई संख्या के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा रेजिडेंशियल मार्केट बना हुआ है, इसलिए इस प्रोजेक्ट के शुरू होने का समय मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (टटफ) रियल एस्टेट मार्केट में मजबूत रफ़्तार के साथ मेल खाता है। यह नया साइन किया गया प्रोजेक्ट एक हाई-एंड रेजिडेंशियल और कमर्शियल डेस्टिनेशन के तौर पर निर्मित किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में सोच-समझकर डिजाइन किए गए 2 और 3 इलड घरों के साथ प्रीमियम कमर्शियल स्पेस होंगे। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य मॉडर्न घर खरीदने वालों और अच्छी तरह से कनेक्टेड, क्वालिटी वाली जगहों की तलाश कर रहे बिजनेस की बदलती लाइफस्टाइल की जरूरतों को पूरा करना है। हाउस ऑफ स्वामीराज के मैनेजिंग डायरेक्टर जेसन सैमुएल ने इस नए प्रोजेक्ट पर बात करते हुए कहा, ठाणे (ईस्ट) के कोपरी में अपनी प्राइम लोकेशन और बेहतरीन कनेक्टिविटी की वजह से इस जगह द्वारा लाभ पहुंचाने की अपार क्षमता है। हमारा फोकस ऐसे स्पेस बनाने पर है जो रहने वालों और बिजनेस करने वालों दोनों के लिए मॉडर्न डिजाइन, फंक्शनैलिटी और लॉन्ग-टर्म वैल्यू को प्रदान करती हो। यह प्रोजेक्ट क्वालिटी-ड्रिवन रीडेवलपमेंट के जरिए शहरी लैंडस्केप को फिर से परिभाषित करने के हमारे निरंतर समर्पण को दिखाता है।

33 हजार घरों तक पहुंची स्व-जनगणना, अब हर घर तक दस्तक की तैयारी

वाराणसी। जनगणना-2027 के तहत वाराणसी में स्व-जनगणना अभियान तेजी पकड़ रहा है। जिले में अब तक 33 हजार से अधिक घरों की स्व-जनगणना और हाउस लिस्टिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। सोमवार को जिलाधिकारी एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी सत्येंद्र कुमार ने अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से कार्य संपन्न कराने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रखर सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं जिला जनगणना अधिकारी डॉ. सदानंद गुप्ता सहित सभी उपजिलाधिकारी, चार्ज अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि स्व-जनगणना व्यवस्था से नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करते हैं, जिससे आंकड़े अधिक सटीक, पारदर्शी और निष्पक्ष बनते हैं। उन्होंने जनपदवासियों से अधिक से अधिक संख्या में इसमें भागीदारी करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

डीएम ने की समीक्षा बैठक ड्ड 22 मई से शुरू होगा वास्तविक जनगणना अभियान ड्ड प्रगणकों को समय पर किट और ड्यूटी कार्ड देने के निर्देश

स्व-जनगणना अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, बैंकिंग संस्थानों, सरकारी और गैर-सरकारी कार्यालयों, बाजारों तथा सार्वजनिक स्थलों के जरिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि हमारी जनगणना – हमारा विकास सही जनगणना – सशक्त भारत अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए। अधिकारियों ने बताया कि स्व-जनगणना अभियान 7 मई से संचालित हो रहा है और 21 मई तक चलेगा। इसके बाद 22 मई से 20 जून तक प्रशिक्षित प्रगणक और पर्यवेक्षक घर-घर जाकर वास्तविक जनगणना का कार्य करेंगे। डीएम ने यह भी निर्देश दिए कि सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को समय से ड्यूटी कार्ड, जनगणना किट और हाउस लिस्टिंग ब्लॉक से संबंधित नक्शे उपलब्ध करा दिए जाएं। साथ ही उन्हें अपने क्षेत्रों का भौतिक सत्यापन भी सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना अधिनियम-1948 के तहत जनगणना कार्य में किसी प्रकार की बाधा या लापरवाही दंडनीय होगी।

आपदा प्रबंधन को लेकर अलर्ट मोड में प्रशासन, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में जिलाधिकारी amuel Paul N. की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक आयोजित हुई। बैठक में डूबने की घटनाओं की रोकथाम, हीट वेव, अग्नि सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा, आंधी और वज्रपात से बचाव को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने जनपद में लगातार बढ़ रही डूबने की घटनाओं पर चिंता जताते हुए नदी, तालाब और अन्य जलाशयों के आसपास व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां बच्चे स्नान करने पहुंचते हैं वहां डेंजर बोर्ड और रिफ्लेक्टर लगाए जाएं तथा लोगों को जागरूक करने के लिए पंपलेट और लीफलेट वितरित किए जाएं।

उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि गर्मी के दौरान बच्चों को सुरक्षित रखने और उन्हें जागरूक करने के लिए विद्यालयों में विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएं। साथ ही अभिभावकों को भी बच्चों पर नजर रखने के लिए प्रेरित किया जाए।

बैठक में लू और हीट वेव से बचाव के उपायों पर भी चर्चा हुई। मुख्य चिकित्साधिकारी को ओआरएस पैकेट वितरण और जनजागरूकता अभियान तेज करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम स्तर तक आपदा से बचाव संबंधी जानकारी पहुंचाई जाए।

अग्नि सुरक्षा के तहत सभी विद्यालयों में फायर इक्विपमेंट की जांच, मॉक ड्रिल और अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा एलपीजी गैस के सुरक्षित उपयोग और विद्युत सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने सभी पंजीकृत नावों में लाइफ जैकेट और प्रशिक्षित नाविक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सुरक्षा मानकों में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी Parmanand Jha समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जौनपुर: बड़ा सड़क हादसा: यात्रियों से भरी प्राइवेट बस खाई में गिरी, कंडक्टर की दर्दनाक मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के रामनगर इलाके में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बदलापुर से प्रयागराज जा रही एक प्राइवेट बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में चीख-पुकार सुनाई देने लगी। बताया जा रहा है कि बस में कई यात्री सवार थे। हादसे में बस के कंडक्टर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आने की सूचना है। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू करते हुए घायलों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुट गई है। प्रारंभिक आशंका तेज रफ्तार या चालक के नियंत्रण खोने की बताई जा रही है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

80 हजार की ठगी, विरोध करने पर दिव्यांग को पीटा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के उधौचैकिया स्थित यदुवंश स्कूल के पास दुकान खोलने के बहाने ठगी करने और विरोध करने पर एक दिव्यांग को बुरी तरह पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद समेत चार आरोपियों के खिलाफ मारपीट व एससीध्एसटी एक्ट सहित विभिन्न संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कादीपुर निवासी राजनाथ (पुत्र देवसरन) ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह एक दिव्यांग है। वर्ष 2015 में पौना गांव निवासी संतोष यादव (पुत्र भुलई यादव) ने उसे पार्टनरशिप में दुकान खोलने का झांसा दिया और उससे 80 हजार रुपये ले लिए। रुपये लेने के बाद आरोपी ने न तो दुकान खोली और न ही आज तक उसके पैसे वापस किए।

शनिवार की रात करीब 9 बजे राजनाथ जब चैकिया में यदुवंश स्कूल के पास मौजूद था, तभी वहां आरोपी संतोष यादव अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ पहुंच गया, पीड़ित ने जब अपने रुपये मांगे तो आरोपियों ने उसे जातिसूचक शब्द और गालियां देते हुए लात-घूसों तथा लोहे की सरिया से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। इस हमले में राजनाथ को गंभीर चोटें आईं और वह वहीं बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना को मौके पर मौजूद दूधनाथ और मनमोहन ने देखा, जिन्होंने तत्काल 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पीड़ित राजनाथ की तहरीर के आधार पर आरोपी संतोष यादव और तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित धाराओं और एससीध्एसटी एक्ट के तहत मामला पंजीकृत कर लिया है। मामले की जांच क्षेत्राधिकारी (सीओ सिटी) जौनपुर को सौंपी गई है।

17 असफल आईवीएफ प्रयासों के बाद दंपति के घर गूंजी किलकारी, इंदिरा आईवीएफ ने 23 वर्षों का इंतजार किया पूरा

पटना (उत्तरशक्ति)। 23 वर्षों के लंबे वैवाहिक जीवन और 17 असफल आईवीएफ प्रयासों के बाद आखिरकार एक दंपति के जीवन में खुशियों ने दस्तक दी। इंदिरा आईवीएफ पटना की विशेषज्ञ टीम, अत्याधुनिक तकनीक और व्यक्तिगत उपचार योजना की मदद से इस दंपति ने एक स्वस्थ संतान को जन्म दिया। यह सफलता उन हजारों दंपतियों के लिए उम्मीद की नई किरण है, जिन्हें कई जगहों पर निराशा हाथ लगी है। वर्षों तक लगातार असफलताओं, मानसिक तनाव और सामाजिक दबाव का सामना करने के बाद इस दंपति को कई केंद्रों पर यह तक कह दिया गया था कि वे कभी माता-पिता नहीं बन सकते। लेकिन उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी और अंततः इंदिरा आईवीएफ पटना पहुंचे ' इंदिरा आईवीएफ पटना में उनकी पूरी चिकित्सा जानकारी, पिछले असफल आईवीएफ प्रयासों, भ्रूण की गुणवत्ता, लैब से जुड़े पहलुओं और महिला स्वास्थ्य का गहराई से विश्लेषण किया गया। इसके बाद उनके लिए पूरी तरह व्यक्तिगत और मरीज-केंद्रित उपचार योजना तैयार की गई, जिसमें हर छोटे चिकित्सकीय और भ्रूण-विज्ञान से जुड़े पहलू पर विशेष ध्यान दिया गया। इस सफलता के पीछे अनुभवी डॉक्टरों, भ्रूण-विज्ञान विशेषज्ञों और इंदिरा आईवीएफ की मजबूत बहु-विषयक टीम का सामूहिक प्रयास रहा। साथ ही अत्याधुनिक सुविधाओं, उन्नत भ्रूण-विज्ञान प्रयोगशाला, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणालियों और नवीनतम आईवीएफ तकनीकों ने इस जटिल केस को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इंदिरा आईवीएफ बिहार हेड एवं पटना सेंटर हेड, वरिष्ठ भ्रूण-विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. दयानिधि कुमार ने कहा कि आईवीएफ उपचार में भ्रूण-विज्ञान प्रयोगशाला की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। लगभग 70 - 80 प्रतिशत सफलता उन्नत भ्रूण-विज्ञान प्रयोगशाला, भ्रूण कल्चर की सही परिस्थितियों, गुणवत्ता प्रणालियों और कुशल भ्रूण-विज्ञान विशेषज्ञों पर निर्भर करती है। इस केस में व्यक्तिगत भ्रूण-विज्ञान दृष्टिकोण, भ्रूण को संभालने की तकनीक और लगातार निगरानी ने सफलता में अहम योगदान दिया। कई बार मरीज इलाज से पहले उम्मीद हार चुके होते हैं।

ऐसे समय में विज्ञान के साथ संवेदनशीलता, उतनी ही जरूरी हो जाती है। इंदिरा आईवीएफ पटना की क्लिनिकल हेड डॉ. सुनीता कुमारी ने कहा कि बार-बार आईवीएफ असफल होने वाले मामलों में सिर्फ उपचार देना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि हर छोटे चिकित्सकीय कारण को समझना और मरीज के अनुसार योजना बनाना बेहद जरूरी होता है। सही जांच, सही समय और लगातार निगरानी इस सफलता की सबसे बड़ी कुंजी रही। वहीं सीनियर आईवीएफ स्पेशलिस्ट डॉ. रीना कुमारी ने कहा कि इस तरह के चुनौतीपूर्ण मामलों में मरीज भावनात्मक रूप से भी बहुत टूट चुके होते हैं। ऐसे समय में चिकित्सा उपचार के साथ परामर्श, आत्मविश्वास बढ़ाना और संवेदनशील देखभाल भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इस सफलता ने फिर साबित किया है कि सही टीम और सही दृष्टिकोण से असंभव दिखने वाले मामलों में भी सफलता

हाईकोर्ट से बड़ी राहत: रेप व पॉक्सो केस में 8 माह से बंद किशोर को मिली जमानत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जौनपुर के चर्चित रेप व पॉक्सो मामले में लगभग 8 माह से बाल सुधार गृह में निरुद्ध किशोर को बड़ी राहत देते हुए जमानत दे दी है। यह फैसला उच्च न्यायालय इलाहाबाद के अधिवक्ता एवं भारत प्रेस क्लब के कानूनी सलाहकार मो. सैफ की प्रभावशाली पैरवी के बाद आया।

मामला थाना मीरगंज क्षेत्र के FIR 0108/2025 से जुड़ा है, जिसमें किशोर गौरव सोनी उर्फ आदित्य सोनी के खिलाफ धारा 64(1), 333 बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी के बाद किशोर को बाल सुधार गृह भेज दिया गया था।

किशोर न्याय बोर्ड और सत्र न्यायालय से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में Criminal Revision No. 1831/2026 दाखिल की गई। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता मो. सैफ ने कोर्ट के समक्ष तर्क रखा कि घटना के समय किशोर की उम्र लगभग 14 वर्ष 6 माह थी, उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है तथा वह लंबे समय से निरुद्ध है।

माननीय न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की अदालत ने सुनवाई के बाद कहा कि केवल अपराध की गंभीरता के आधार पर किशोर की जमानत खारिज नहीं की जा सकती। कोर्ट ने किशोर न्याय अधिनियम की धारा 12 का हवाला देते हुए निचली अदालतों के आदेशों को निरस्त कर दिया।

हाईकोर्ट ने किशोर को ?20 हजार के निजी मुचलके और दो जमानतदारों पर रिहा करने का आदेश दिया है। फैसले के बाद अधिवक्ता मो. सैफ की कानूनी रणनीति और प्रभावशाली पैरवी की क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है।

दिशा बैठक में विकास योजनाओं पर सख्ती, छह माह का रोडमैप तैयार करने के निर्देश

चिराना। स्वामी विवेकानंद उच्च माध्यमिक विद्यालय रामपुर चिराना में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष में चल रहे योगाभ्यास काउंट डाउन कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को विद्यालय में विद्याथीयों हेतु विशेष योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं आयुर्वेद औषधालय डहरिया न बावड़ी उदयपुरवाटी के वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत द्वारा विद्यार्थियों को योग के महत्व के बारे में एवं स्वस्थ दिनचर्या और नियमित योगाभ्यास करने से मिलने वाले फायदों की विस्तृत जानकारी दी गई।इस दौरान बढ़ती उम्र के विद्यार्थियों के लिए पीठ ओर पेट के बल किए जाने वाले आसनों को सबसे लाभकारी बताते हुए, विभिन्न योगासन प्राणायाम का व्यावहारिक अभ्यास भी करवाया गया,जिसमें ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन, अनुलोम विलोम, कपालभाति का महत्व बताया गया।इस अवसर पर डॉक्टर कुमावत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती जीवन शैली संबंधी बीमारियों से बचाव हेतु योग सबसे सरल प्रभावी एवं प्राकृतिक माध्यम है नियमित योग अभ्यास से शरीर स्वस्थ मन शांत एवं एकाग्रता मजबूत होती है। उन्होंने कहा योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है जो संपूर्ण मानवता को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन देने की प्रेरणा देती है।विद्यार्थियों में बचपन से ही योग एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करना आज अत्यंत आवश्यक हो गया है। हर घर योग,रहो तन मन से निरोग यह संदेश देते हुए उन्होंने योग को अपनाने एवं छुट्टियों में अपने घर पर नियमित योग करने की सलाह भी दी। बच्चों के उत्साह वर्धन हेतु एवं योगाभ्यास के प्रति जागरूक करते हुए बच्चों को स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के तहत कई प्रश्न पूछे गए जिसमें सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया और सबसे अधिक पूछे गए सवालों के जवाब देकर विजेता बने।विजेता रहे छात्रों में प्रिंस और अंकित को फर्स्ट घोषित किया गया,दूसरे स्थान पर धनुष्का रही और तीसरा स्थान रवि कुमार को मिला।मौके पर ही तीनों विद्यार्थियों को डॉ.राजेंद्र कुमावत द्वारा मोमेंटो प्रदान कर उनका सम्मान किया। साथ ही सभी को यह भी सलाह दी गई की गर्मियों की छुट्टी कल से शुरू हो जाएगी अतः प्रचंड धूप में बाहर न निकले, घर में रहकर इंडोर गेम खेलें ,और प्रतिदिन योग अभ्यास भी करें।

इस दौरान विद्यालय के निदेशक सुनील शर्मा ने डॉ कुमावत का आभार जताया, प्रधानाचार्य रामगोपाल शर्मा अंग्रेजी माध्यम के को ऑर्डिनेटर मनोज कुमावत, महेंद्र कुमार,पंकज,पूजा, रेखा,पूनम व रामस्वरूप सहित सभी कक्षाओं के विद्यार्थी मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन राजीव सक्सेना ने किया। विद्यालय परिवार की ओर से कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय में पधारकर स्वास्थ्य परक जानकारी देने व कार्यक्रम के आयोजन करने पर डॉ राजेंद्र कुमावत को दुप्पटा पहनाकर कर स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।